पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 249

ग्वालियर, मंगलवार, 2 नवम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

मप्र के 66वें स्थापना समारोह में मुख्यमंत्री की अपील

आत्मनिर्भर मप्र के लिए सबका सहयोग जरूरी

-कमलनाथ ने कहा- आज सबसे बड़ी चुनौती कृषि है

भोपाल । मध्यप्रदेश का 66वां स्थापना दिवस समारोह लाल परेड ग्राउंड पर मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज मप्र तेजी से विकास कर रहा है। इस विकास में सरकार के साथ जनता का भी सहयोग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में युवाओं का आत्मनिर्भर बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। प्रदेश में भी आत्मनिर्भर मप्र अभियान चल रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सबका सहयोग जरूरी है।

स्थापना दिवस के कार्यक्रम आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की थीम पर आधारित होंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आदि शामिल हुए। राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों के संबोधन के बाद आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश थीम पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत दिनों बाद इतना बड़ा कार्यक्रम हो रहा है। पिछले साल हम कोविड के कारण स्थापना दिवस नहीं मना सके थे। मैं चिकित्सकीय, राजस्व, स्वयंसेवी संस्थाओं सहित सभी सहयोगियों का आभार। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। कोविड से सुरक्षा चाहिए तो वैक्सीन के दोनों डोज जरूरी है। दोनों डोज लगवाएं। पूरे प्रदेशवासियों से कह रहा हूं कि दूसरा डोज 37 प्रतिशत लोगों को लगा है। सभी से निवेदन है कि दूसरा डोज जरूर लगवा लेना। प्रधानमंत्री जी ने मुफ्त में वैक्सीन दी है। हमें लगवाने में क्या दिक्कत है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के विकास में प्रथम मुख्यमंत्री से लेकर अभी तक के अधिकारी और अन्य सभी को प्रणाम करता हूं।पानी के लिए कैन बेतवा को भी जोडने जा रहे हैं। सिंचाई के लिए नया लक्ष्य तय करेंगे। रोटी, कपड़ा, मकान, इलाज और घर सरकार देगी।

जल जीवन मिशन के तहत पानी देंगे

सीएम ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछाकर गांव गांव में घरों तक पानी पहुंचाएंगे। सूरज से बिजली बनाएंगे। कुसुम योजना के तहत किसान, किसानों का संगठन, दो मेगावाट तक सोलर पावर प्लांट लगाएगी तो उनकी बिजली तीन रुपये पांच से सात पैसे तक खरीदने की गारंटी देंगे। दो हजार मेगावाट तक का हमारा लक्ष्य है। सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। जो युवा उद्मम शुरू करना चाहेंगे, उन्हें सरकार की गारंटी पर लोन मिलेगा।

रोजगार की चुनौती से निपटने के लिए सरकार हर संभव उपाय करेगी

उन्होंने कहा कि हमने एक साल में उद्योग, रोजगार की दिशा में काफी काम किया है। रोजगार की चुनौती से निपटने के लिए सरकार हर संभव उपाय करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में एक परिवार के अलावा अन्य परिवार रह रहे हैं तो मुख्यमंत्री भूअधिकार योजना का लाभ मिलेगा। उन्हें मुफ्त में प्लाट देकर जमीन का मालिक बनाया जाएगा। उस प्लाट पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर दिया जाएगा।

लाड़ली लक्ष्मी योजना की रीपैकेजिंग होगी

शिवराज ने कहा कि सीएम राइज स्कूलों के माध्यम से पढ़ाई होगी। लाड़ली लक्ष्मी योजना की रीपैकेजिंग की जाएगी। बेटियों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं रखी जाएगी। सभी समाजों के आयोग के साथ मिलकर काम किया जाएगा। किसानों को भी लाभ मिलेगा। जैसे हमने कोरोना को साथ मिलकर हराया, वैसे ही सरकार की योजनाओं को सभी का साथ चाहिए। अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों का भी पालन करें। समाज के सभी वर्ग इसमें साथ दें।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने दी बधाई

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने संबोधन में सभी प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की बधाई व दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा मेरी कामना है कि आप सभी के घर में सुख समृद्धि हो। एकजुट होकर सभी लोग आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश में सहयोग दें। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। यह मेरी अपेक्षा है।

उषा ठाकुर ने स्वागत भाषण दिया

प्रदेश की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि संस्कृति हमारी पहचान है। संस्कृति विभाग मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में संस्कृति को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। कोरोना काल में वर्चुअल माध्यम से यह प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री जी लगातार निर्देश दे रहे हैं कि सभी विभाग आत्म निर्भरता की ओर आगे बढ़ें। दीपावली के दिन एक दीपक बलिदानियों के नाम भी जलाएं और पास के स्मारक तक उन्हें पहुंचाए।

मध्य प्रदेश की संस्कृति देश की संस्कृति

नेता प्रतिपक्ष कमल नाथ ने इस मौके पर सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की संस्कृति देश की संस्कृति है। यह जोडने वाली संस्कृति है। विभिन्न धर्म, जातियां, भाषाएं, रस्म किसी और देश में नहीं है। यही विभिन्न हमारे देश को एक झंडे के नीचे रखता है। आज की चुनौतियों और बीस साल पहले की चुनौतियों में अंतर है। कृषि, युवाओं के रोजगार की चुनौतियां हमारे सामने है। आज जागरूकता है, जो पहले नहीं थी। आज का युवा इंटरनेट से जुड़ा है। उसे ज्ञान देने की आवश्यकता नहीं है। हम मिलकर इन चुनौतियों का सामना ही नहीं करेंगे, आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के लिए भी काम करेंगे। यह हमारा संकल्प है। कोविड में जो लोग नहीं रहे, उनके लिए भी एक दीपक जलाएं।

गुलशन बामरा ने संभाला सभागायुक्त का पदभार

भोपाल । वरिष्ठ आईएएस गुलशन बामरा ने सोमवार को भोपाल के नए कमिश्नर (संभागायुक्त) का पदभार संभाल लिया। उन्होंने कमिश्नर कवींद्र कियावत की जगह ली। कियावत के रिटायर होने के बाद कुर्सी खाली हुई थी। बामरा के पद संभालते ही एक बार फिर कमिश्नर की कुर्सी पर प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी काबिज हो गए।

1997 बैच के आईएएस बामरा योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव थे। जिन्हें सरकार ने 30 अक्टूबर को भोपाल कमिश्नर बनाया था। उनसे पहले कल्पना श्रीवास्तव प्रमुख सचिव स्तर की अधिकारी थीं, जो कमिश्नर बनी थीं। कमिश्नर बामरा ने पद संभालते ही अफसरों की मीटिंग ली। वे अफसरों से गर्मजोशी से मिलें। कमिश्नर के साथ ही बामरा भोपाल नगर निगम के प्रशासक भी बन गए हैं। हालांकि, वे नगर निगम में पहुंचकर पदभार संभालेंगे।

मंदिरों को अपने नियंत्रण से मुक्त कर हिंदू समाज को सौंपे सरकारः विहिप

नई दिल्ली / विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने केंद्र सरकार से हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए एक कानून बनाने की अपील की है और धर्मांतरण विरोधी कानून की भी मांग की है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि संगठन ने सभी राज्य सरकारों से हिंदू मंदिरों को हिंदू समाज को सौंपने का आह्वान किया है और केंद्र सरकार से इस संबंध में एक कानून लाने का अनुरोध किया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में चल रहे ÷सामूहिक धर्मांतरण÷ के रूप में जो दावा किया, उस पर उन्होंने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷ये धर्मांतरण प्रलोभन, धोखे और भय से प्रेरित हैं। विहिप इस तरह के धर्मांतरण का पूरी ताकत से विरोध करेगी और धर्मांतरित भाइयों और बहनों को हिंदू धर्म में वापस लाने के लिए अपने अभियान को तेज करेगी।÷

आलोक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों की तरह तेलंगाना सरकार को भी धर्मांतरण विरोधी कानून पारित करना चाहिए, कुमार ने कहा, ÷हमने केंद्र सरकार से भी धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाने के लिए कहा है।÷ आलोक कुमार ने कहा, ÷हमने केंद्र सरकार से (धार्मिक धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाने के लिए) कहा है और यह प्रयास शुरू किया है और हम अपने प्रयासों को तेज करेंगे। सरकार को एक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया गया है और हमें उम्मीद है कि वह इस पर विचार करेगी।÷ उन्होंने कहा कि विहिप दोनों मुद्दों पर जन जागरण कार्यक्रम उठाएगी। विहिप नेता आगे चाहते थे कि तेलंगाना सरकार गायों और उनकी संतानों की रक्षा के लिए कानून लाए क्योंकि ÷तेलंगाना राज्य में गोहत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं।

दादी इंदिरा को था हत्या का आभास कुछ देर पहले ही रोने से किया था मनाः राहुल गांधी

नई दिल्ली / पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और उनके अंतिम संस्कार के क्षणों को याद करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनकी दादी ने अपनी मौत से कुछ घंटे पहले उनसे कहा था कि अगर उन्हें कुछ हो जाता है तो रोना नहीं है। इंदिरा गांधी की 37वीं पुण्यतिथि पर यूट्यूब पर जारी एक वीडियो में राहुल ने अपनी दादी के अंतिम संस्कार के दिन को अपने जीवन का दूसरा सबसे मुश्किल दिन बताया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके दो सुरक्षा कर्मियों ने 1984 में आज के दिन गोली मारकर हत्या कर दी थी। राहुल ने याद करते हुए कहा, %%अपनी मृत्यु से पहले सुबह उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मुझे कुछ होता है तो रोना नहीं। मैं समझ नहीं पाया कि उनका क्या मतलब था और दो-तीन घंटे बाद उनकी मौत हो गई। विद लव, इन मेमोरी ऑफ माई बिलव्ड ग्रांडमदर, इंदिरा जी% शीर्षक से यूट्यूब पर जारी वीडियो में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, %%उन्हें एक तरह से आभास था कि उन्हें मार दिया जाएगा और मुझे लगता है कि घर में सभी को यह पता था। एक बार उन्होंने हमसे खाने की मेज पर कहा था कि सबसे बड़ा अभिशाप किसी बीमारी से मरना होता है।%% राहुल ने कहा कि उनके नजरिए से शायद यह देश के लिए मरने का सबसे अच्छा तरीका था। उन्होंने कहा, मेरी दो मां रहीं।

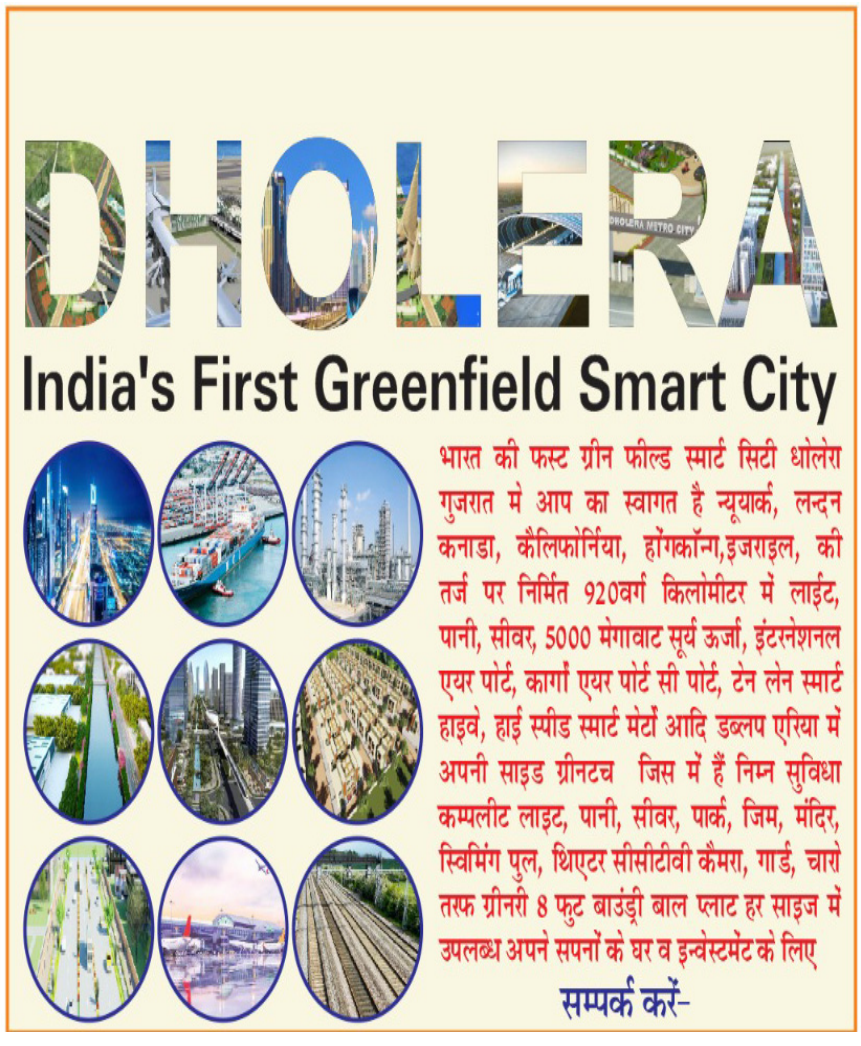

पुष्पांजली टुडे न्यूज़ परिवार की मासिक बैठक जिला शिवपुरी में संपन्न हुई

हरिओम परिहार रिपोर्टर
पुष्पांजली टुडे

जिला शिवपुरी में पुष्पांजली परिवार मासिक बैठक संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ग्वालियर से संपादक श्री भरत सिंह चौहान जी द्वारा पत्रकार बंधुओं को सम्मानित किया और पत्रकार बंधुओं को कुछ अपने मुखारविंद से संबोधित किया और कहा की पीटीवी न्यूज़ परिवार को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी का दायित्व है लगन और सील होकर सभी पत्रकार बंधु अपने अपने कार्य को आगे बढ़ाएं और पत्रकार बंधुओं से बात करते हुए श्री भरत सिंह चौहान जी ने बताया के कोई भी परेशानी या किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो आप जिला ब्यूरो चीफ से जरूर संपर्क करें पुष्पांजलि टुडे निधि परिवार को लेकर श्री भरत सिंह चौहान जी द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें पत्रकार बंधुओं की समस्याएं और और उनकी सुझाव भी बड़ी ही शांति पूर्वक बैठक हुई जिसमें दूर-दूर से आए हुए पत्रकार बंधुओं से विशेष रुप से चर्चा की और उन लोगों के लिए परिवार को अच्छे स्तर से बढ़ाने के लिए पत्रकार बंधुओं को प्रेरित किया श्री भरत सिंह चौहान जी द्वारा बताया गया यह परिवार को आगे बढ़ाने के लिए जी जान से मेहनत करें और अन्याय के खिलाफ आप लोग अवश्य आवाज उठाएं और अपनी आवाज तहसील ब्लाक जिला से लेकर संभाग प्रदेश भारत तक अपनी बात जन जन तक अवश्य पहुंचाएं जिससे अपराधों पर और अन्याय के ऊपर अंकुश लग सके और भी कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए जिसमें जिला शिवपुरी से पुष्पांजलि टुडे के सभी पत्रकार बंधु मुख्य रूप से मासिक बैठक में उपस्थित रहे मासिक बैठक जिला शिवपुरी मैं संपन्न हुई जिसमें ब्लॉक स्तर से तहसील स्तर से लेकर जिला स्तर से लेकर सभी पत्रकार बंधु मासिक बैठक में अपना योगदान दिया और मुख्य रूप से श्री भरत सिंह चौहान जी द्वारा जो भी निर्देश दिए गए उन पर सभी पत्रकार बंधुओं ने विचार-विमर्श किया और परिवार को आगे बढ़ने का संकल्प लिया जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए दूरदराज से आए हुए पत्रकार बंधुओं में मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिला ब्यूरो चीफ अनिल कुशवाहजी शिवपुरी से राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रामस्वरूप रजक जी करेरा से हरिओम चतुर्वेदी खनियाधाना से हरिओम परिहार एवं सभी जिला ब्लाक से आए हुए श्रीकांत श्रीधर नंदा बंसल सूरज यादव राकेश परिहार और हरनारायण पाल जनक रावत पत्रकार बंधु मासिक बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भारत की अखंडता और एकता की पहचान है हमारे सरदार पटेल जी

महेंद्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे

मौं। भारतीय जनता पार्टी मंडल मौं द्वारा नगर के बार्ड क्रमांक 11 कार्यालय मंत्री डां बेताल गोड के आवास पर देश के पूर्व गृहमंत्री लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पार्षद मेहबूब खां पठान मौजूद थे कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशवाह ने की ।कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मेहबूब खांन ने कहा की सरदार वल्लभभाई पटेल गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा मानते थे वह एक निर्भीक एवं सच्चे देशभक्त राजनेता थे देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के लिए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता हमें गर्व है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आज उन्हें अपना आदर्श मानते हैं एवं विश्व की सबसे ऊंची आदम कद प्रतिभा अहमदाबाद में सरदार बल्लभ भाई पटेल की बनवाई है हम सब कार्यकर्ताओं को आज उनके बताए मार्ग पर चलना है यही सरदार साहब के लिए हम सब लोगों की सच्ची श्रद्धांजलि होगी कार्य कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री सुल्तान मोर्य ने किया एवं अंत में आभार प्रगट रामखत्यार गुर्जर ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह राजू मिश्रा डां बेताल गोड सोनू खान शुभम राठौर रघुराज गुर्जर जितरबई दिलीप कुशबाह रामकेश गुर्जर सोमबीर सिबहरे कोमल यादव पवन गोड रवि बघेल नीतू यादव बबली यादव राजीव जैन रामकुमार जादोन आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन गया जिसकी शुरुआत हुई शासकीय विद्यालय से मुख्य बाजार होते हुए भांडेर रॉड दतिया

पुष्पांजलि न्यूज़ टुडे इंदरगढ़ से विवेक सेन की रिपोर्ट,,,,,

रॉड पुरानीअन्दरवस्ती के दरबाजे के पास विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं पुष्प वर्षा कर पथ संचलन कर रहे सभी स्वंम सेवकों का स्वागत किया उसके बाद सेव?ा रॉड से भांडेर रॉड पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया इसके बाद शासकीय विद्यालय राजा के बाग में पथ संचलन का समापन हुआ इस पथ संचलन में इंदरगढ़ नगर निरक्षक परमानन्द शर्मा पुलिस बल के साथ मुस्तेद रहे।

आज दिनांक 31 अक्टूबर 2021 को स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि एवं भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जन्म जयंती के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी इंदरगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिस के मुख्य अतिथि सेवड़ा क्षेत्र के विधायक महाराज कुमार घनश्याम सिंह जी थे इस अवसर पर महाराज द्वारा दोनों महापुरुषों महापुरुषों के चित्रों पर अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा बताया गया कि स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में वानर सेना बना कर भाग लिया उन्होंने देश का नेतृत्व करते समय एक सशक्त प्रधानमंत्री के रूप में निर्णय लिए और देश को गरीबी से उबारने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गरीब मजदूर वर्ग को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया उसके बाद उन्होंने बांग्लादेश क्यों मुक्त कराने के लिए ऐसी रणनीति से कार्य किया जिसका लोहा पूरे विश्व में माना और इतिहास में सबसे बड़ा सैनिकों का आत्मसमर्पण इंदिरा जी के कार्यकाल में हुआ इसके बाद उन्होंने अपने जीवन काल में ही आतंकवाद की समस्या का सामना करते हुए पंजाब को आतंक से मुक्त कराया और देश की एकता व अखंडता के लिए अपनी जान की बाजी लगाई और वहीं पर बुक अतिथि द्वारा यह भी बताया गया कि सरदार पटेल जो कि देश के प्रथम गृह मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री थे उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य किया किसानों की समस्याओं को भी सुलझाया मुख्य अतिथि द्वारा विस्तार से कार्यकर्ताओं को समझाया गया कि किस तरह से कांग्रेस की विचारधारा देश के हित में है और देश की एकता अखंडता तथा सर्वहारा के हकों की स्थापना कांग्रेस के माध्यम से हो सकती है कार्यकर्ताओं को यह भी सीख दी गई कि उन्हें किस तरह से बटन वाली ताकतों का मुकाबला करने के लिए अपने ज्ञान का प्रयोग करना चाहिए कार्यक्रम का इसमें उपस्थित रहे।

अवैध कार्यों पर रोक लगाने के लिए लगातार सक्रिय दिनारा थाना प्रभारी संतोष भार्गव

पदभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र में शांति का माहौल बनाने में सफल योगदान

पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी।दिनारा थाना क्षेत्र शिवपुरी जिले के चर्चित थाना में कहे जाने वाला थाना है यहां एक थाना प्रभारी को ब?ी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वाह करना होता है या यूं कहें कि यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश के झांसी जिले व मध्यप्रदेश के दतिया जिले की सीमा से जु?ा हुआ है जिस कारण से अधिकांश आपराधिक प्रवर्तिं के लोग अपराध करने के बाद सिमा बदल कर भाग जाते है जिससे यह थाना प्रभारी के लिए चुनौती भरा रहता वही यहाँ कुछ समय पहले अवैध रेत व जुआ ,अवैध हथियार जैसे मामले में चर्चित रहना वाला थाना में किस तरह शांति का वातावरण मिल रहा है छितिपुर में चलने वाला रेत कारोबार पूर्ण रूप से बंद बना हुआ है वही दीपावली पर लाखों के होने वाले जुआ पर पूर्ण प्रतिबंध दिनारा थाना प्रभारी संतोष भार्गव ने लगाकर रखा है संतोष भार्गव पूर्व से ही यह स्पेशलिस्ट होनहार पुलिस अफसर के रुप मे माने जाते जिन्हें लोग एडी स्पेशलिस्ट या सिंघम जैसा नाम से पुकारा करते है इन्होंने अपने कार्यकाल में दतिया जिले में रहकर दस्यु उन्मूलन में अहम भूमिका निभाई ओर इसी

दिनारा थाना प्रभारी - संतोष भार्गव

बजह से आज दतिया झांसी शिवपुरी जिले के क्षेत्रों में एसआई संतोष भार्गव का अपराधियो में खौप है शिवपुरी जिले की खो? चौकी क्षेत्र में जनता के दिलो में जगह बनाकर अब दिनारा के आम जनता व्यापारियों के प्रति आपकी कार्यशैली से लोग खुश नजर आते है हालांकि कुछ कारणों के चलते पुलिस वह कार्य पूर्ण रूप से नही कर पाती है जो आप करने का प्रयास कर रहे है हमारे राम का तो यही कहना है कि दीपावली के त्योहार पर दिनारा क्षेत्र में राम राज्य की पुनः स्थापना हो चुकी है दिनारा थाना प्रभारी संतोष भार्गव व थनरा चौकी प्रभारी विनोद गौतम की राम लक्ष्मण जैसी जो?ी बनकर दिनारा की जनता को खुश रहने में हमेशा प्रयासरत रहे सभी लोग सहयोग करें गलत का विरोध कर उन्हें अवगत कराएं एवं गलत एवं अवैध कार्यो पर सिफारिश ने करें जिससे अपराधों को ब?ावा न मिले हम सभी को दीपावली के पर्व पर ऐसा संकल्प लेना होगा कि हम कभी गलत एवं अपराध करने वालो के लिए सिफारिश नही करेंगे।

अजय अवसरे बनें मध्य प्रदेश टेनिस वॉलीबॉल एसोसिएशन बालाघाट के जिलाध्यक्ष

विधायक सुश्री हिना कावरे की उपस्थिति में हुई नाम की घोषणा की

रितेश कटरे, पुष्पांजली टुडे

बालाघाट ।बरेस्ट हाउस बालाघाट में मध्य प्रदेश टेनिस वॉलीबॉल एसोसिएशन के बालाघाट जिलाध्यक्ष पद की घोषणा लांजी किरनापुर विधायक सुश्री हिना कावरे के द्वारा उपस्थित खिलाड़ियों एवं जनसमूह की मौजूदगी में की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में लांजी किरनापुर विधायक महोदय सुश्री हिना कावरे , अशोक मंडलेकर जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित उत्तर वन मंडल सामान्य, बालाघाट, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय अवसरे, मुकेश जोशी ,शीनू राम,शेषराम रहागडाले जिला उपाध्यक्ष,सजल मश्की जिला अध्यक्ष कर्मचारी कांग्रेस बालाघाट,जितू बर्वे जी, जय कृष्णडिगरु भाई,कृपाल लिल्हारे,नितिन शिवहरे,मिड्टन नगपुरे जी,प्रशांत मोहोरे जिला पंचायत सदस्य दिव्या सौलाखे,शीतल श्रीवास,मुस्कान मरठे,श्रद्धा बाहेश्वर,मोहित लिल्हारे,खेमलाल वरकडे,छाया सौलाखे,संस्कार ,सिध्दार्थ खंडाते,विजेन्द्र उइके,भागीरथ, जिला सचिव- प्रज्ञात वासनिक, जिला सह-सचिव- लव पटेल, जिला संगठन सचिव- दीपांकर भार्गव, त्रिलोक सुलाखे उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर किया गया मैराथन दौड़ का आयोजन

रितेश कटरे, पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । मध्यप्रदेश राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर आज 01 नवंबर को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के मैदान से मैराथन दौ? का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री शिवगोविंद मरकाम, तहसीलदार श्री रामबाबू देवांगन, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री मानवटकर, खेल संघों के प्रतिनिधि एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित थी। मेराथन दौ? में छात्रायें कुमारी पायल लिल्हारे, कुमारी उमा उईके, कुमारी प्रिया कावरे, कुमारी सोनल बरडे, कुमारी मधु उईके, कुमारी सबीना अली एवं छात्रों में सचिन तुमसरे, नूतन खैरवार, संस्कार उईके, आयुष भलावी, मोहित बाहेश्वर एवं लव भोयर ने भाग लिया।

रोटरी स्कूल में कन्नड राज्योत्सव मनाया

पुष्पाजंली टुडे मंड्या।

बन्नूर रोटरी क्लब की और से सोमवार को बन्नूर गांव में स्थित रोटरी स्कूल में 66 वां कन्नड राज्योत्सव मनाया गया। क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने भुवनेश्वरी माता की तस्वीर पर पुष्पहार व दीपक प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कन्नड हमारी मातृभाषा है ।कन्नड भाषा का संरक्षण करना हम सबका दायित्व बनता है।इस अवसर पर डॉ महेन्द्र सिंह राजपुरोहित को कन्नड राज्योत्सव प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि राजस्थान हमारी जन्मभूमि है ,तो कर्नाटक हमारी कर्मभूमि है।जितना हम राजस्थानी भाषा से प्रेम करते है हमें कन्नड भाषा से प्रेम करना चाहीए।इस अवसर पर क्लब कार्यदरशी राजेंद्रा क्लब के सदस्य योगेन्द्रा, हनुमते गौडा, केम्पेगौडा, नजुंड स्वामी वेंकटेश प्रसाद, किसनापा, के कालाप्पा ,वासुदेव सहित सकूल का स्टाप मौजूद था।

केंद्रीय इस्पात मंत्री, श्री राम चंद्र प्रसाद सिंह ने किया भरवेली खदान का दौरा

मायल श्रमिकों के लिए वेतन समझौते की घोषणा

रितेश कटरे, पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड मॉयल द्वारा 31 अक्टूबर, 2021 को नागपुर में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री नितिन गडकरी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और श्री राम चंद्र प्रसाद सिंह, इस्पात मंत्री, भारत सरकार द्वारा मॉयल श्रमिकों के लिये वेतन समझौता की ब?ी उद्घोषणा की गई ।

यह वेतन संशोधन 10 साल की अवधि 01 अगस्त 2017 से 31 जुलाई 2027 तक है, जिससे लगभग 5,800 कंपनी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। यह प्रबंधन और मॉयल के मान्यता प्राप्त संघ यानी मॉयल कामगार संगठन (रूघस) के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन पर आधारित है। प्रस्ताव में 20त्न का फिटमेंट लाभ और 20त्न की दर से अनुलाभ/भत्ते शामिल हैं। इस खबर से सभी कर्मचारियों में खुशी की लहर छा गई। इसके अलावा केन्द्रीय इस्पात मंत्री, ने सभी कर्मचारियों के लिए वर्ष 2020-21 के लिए 28 हजार रुपये का बोनस भुगतान दीपावली के पहले करने की घोषणा की, जिससे सभी कर्मचारियों की खुशी दोगुनी हो गई। इस्पात मंत्री ने मॉयल भवन का भी भ्रमण किया और कर्मचारियों के साथ बात चीत की।

01 नवंबर को केन्द्रीय इस्पात मंत्री श्री रामचन्द्र पसाद सिंह ने बालाघाट पहुंचकर फेरो प्लांट, बेनीफिशिएसन (Beneficiation) प्लांट, हाई स्पीड शा?ट सिंकिंग परियोजना इत्यादि स्थान का दौरा किया। वे भूमिगत खदान के अंदर भी गये और वहां पर कार्य करने की प्रणाली का विस्तृत ब्यौरा लिया। भूमिगत खदान में कार्य कर रहे कर्मचारियों की सुरक्षा व स्वास्थ्य के बारे में उन्होने काफी बातचीत की।

इस अवसर पर इस्पात मंत्री ने मॉयल के कार्य निष्पादन की सराहना की और अधिक उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होने ये भी कहा कि कोविड 19 जैसी प्रतिकूल स्थिति में भी मॉयल के कर्मचारियों ने एक जुट हो कर ज्यादा से ज्यादा उत्पादन देने की पूरी चेष्टा की है, जो सराहनीय है।

इस्पात मंत्रालय से श्रीमती सुकृति लिखी अतरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, श्रीमती रुचिका गोविल, अतरिक्त सचिव एवं श्री टी श्रीनिवास, संयुक्त सचिव कार्यक्रम के दौरान शामिल थे। मॉयल के अध्यक्ष सह प्रबन्धक निदेशक श्री मुकुन्द पी चौधरी, निदेशक वित्त श्री राकेश तुमाने, निदेशक मानव संसाधन श्रीमति उषा सिंह एवं निदेशक वाणिज्य श्री पी वी वी पटनायक, मॉयल के विभिन्न विभागों के अधिकारी के साथ श्रमिक संघ भी टीम के साथ शामिल थे।

कुछ बातें मॉयल के बारे में

मॉयल लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक अनुसूची-ए, में शामिलश्रेणी-ढ्ढ की एक मिनी रत्न सीपीएसई है। मॉयल देश में मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक है और महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश राज्य में ग्यारह खदानों का संचालन करता है। मॉयल के पास देश के 34त्न मैंगनीज अयस्क का भंडार है और यह घरेलू उत्पाद में 45त्न योगदान दे रहा है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 तक अपने उत्पादन को लगभग दोगुना करके 25 लाख मीट्रिक टन करने की महत्वाकांक्षी योजना है। मॉयल कारोबार के अवसर खोजने के लिये गुजरात के साथ साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा राज्य में भी कदम रखने के लिये प्रयत्नशील है।

बुधनी में बनेगा खिलौना क्लस्टर : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया बुधनी खिलौना महोत्सव का वर्चुअल शुभारंभ

भोपाल / मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बुधनी की खिलौना कला को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से बुधनी में खिलौना क्लस्टर का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से बुधनी के दशहरा मैदान में 1 से 14 नवंबर तक आयोजित बुधनी खिलौना महोत्सव का वर्चुअल शुभारंभ कर रहे थे।

एक जिला - एक उत्पाद

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ÷एक जिला - एक उत्पाद योजना÷ में हर जिले के एक उत्पाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आत्म-निर्भर भारत का मंत्र दिया था। कोरोना के संकट काल में हमने आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप तैयार किया है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का मतलब गरीब तक विकास का प्रकाश पहुँचाना है। जब आम आदमी आत्म-निर्भर बनेगा तभी मध्यप्रदेश को आत्म-निर्भर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलौने बेचने वालों को कम कीमत पर लकड़ी उपलब्ध कराने और उनके लिए रोजगार का प्रबंध करने का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

बुधनी के लकड़ी के खिलौने की माँग दूर-दूर तक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बुधनी के लकड़ी के खिलौने की माँग दूर-दूर तक है। हम इस कला को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिकता से कार्य करेंगे। उन्होंने होनहार काष्ठ शिल्पकारों की आर्थिक उन्नति की बात कही। उन्होंने कहा कि बुधनी के काष्ठ शिल्पकारों की बेहतरी के लिए पहल की जाएगी।

बुधनी के खिलौनों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बुधनी के खिलौनों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। लकड़ी के परंपरागत खिलौनों की कला को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। लकड़ी के खिलौने हानिकारक नहीं होते हैं। इस कला में लगे हुए कारीगरों को ट्रेनिंग, कच्चा माल तथा पूंजी की पूर्ति के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। खिलौनों की कला का प्रचार-प्रसार एवं मार्केटिंग जेम पोर्टल एवं बड़ी-बड़ी कंपनियों से बात करके की जाएगी।

बुधनी को आत्म-निर्भर बनाया जाएगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बुधनी को आत्म-निर्भर बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खिलौना निर्माताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज कोरोना कंट्रोल में है, लेकिन अभी भी इससे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने अद्भुत कार्य करने वाले कोरोना वॉरियर्स को बधाई एवं सम्मान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी की सजगता से प्रदेश में तीसरी लहर नहीं आई है, लेकिन संपूर्ण सुरक्षा के लिए वैक्सीन के दोनों डोज़ अवश्य लगवाएँ।

प्रियंका की देख-रेख में यूपी विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

-अजय लल्लू का दावा, कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सत्ता में आएगी

लखनऊ । कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय कुमार लल?लू ने कहा कि प्रदेश में पार्टी बिना मुख?यमंत्री के चेहरे के प्रियंका गांधी वाद्रा की देख-रेख में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यह अनुमान लगाने से इनकार किया कि पार्टी ने कितनी सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सत्ता में आएगी और मुख्यमंत्री कौन होगा यह पार्टी नेतृत्व तय करेगा। विधानसभा चुनाव 2017 में कांग्रेस को सिर्फ सात सीटें मिली थीं।

भाजपा द्वारा प्रियंका को राजनीतिक पर्यटक बताये जाने पर पलटवार करते हुए लल्लू ने कहा कि सरकार दमन का रास?ता अपना रही है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पिछले तीन महीने में लाठियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका द्वारा उठाए गये मुद्दों से कांग्रेस में नई ऊर्जा पैदा हुई है, इसीलिए सरकार दमनकारी रास?ता अपना रही है। लल्लू ने कहा कि सपा जो अपने घर से बाहर नहीं निकलती है, दुष्प्रचार में लगी हुई है। उन्होंने कहा, ''सपा ने जनता का विश्वास खो दिया है। सपा में चाहे जितने नेता शामिल हो जाए, वह (चुनाव) परिदृश्य में नहीं रहने वाली और कांग्रेस सरकार बनाएगी।'' लल?लू ने दावा किया, ''वह केवल कांग्रेस है, जो भाजपा को टक्कर दे सकती है, क्योंकि यह एक विचारधारा है, संघर्ष का पर्याय है और लोगों का विश्वास है। सपा भाजपा के खिलाफ लड़ाई नहीं कर सकती, क्योंकि राज्य की जनता ने सपा सरकार और उसकी हरकतों को देखा है। लल्लू ने कहा, ''सपा और बसपा चुनाव लड़ने आते हैं, जबकि कांग्रेस जनहित के मुद्दों को उठाती है और संविधान, किसानों, युवाओं, गांवों, गरीबों और कानून-व्यवस्था के मुद्दों के लिएसंघर्ष करती है।'' प्रियंका सहित कांग्रेस नेताओं के मंदिरों में जाने को भाजपा द्वारा अपनी वैचारिक जीत बताने के संबंध में लल्लू ने कहा, हम सभी धर्मों में विश्वास करते हैं, रखते हैं।

नितिन गडकरी बोले- सीमेंट, इस्पात उद्योग ऊर्जा के लिए कोयले के बजाय़ हरित हाइड्रोजन का उपयोग करें

नागपुर / केंद्र सरकार में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अब समय आ गया है कि सीमेंट और इस्पात उद्योग उत्पादन के लिए कोयले की जगह हरित हाइड्रोजन का ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दें। उन्होंने नागपुर में मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (एमओआईएल) के विभिन्न प्रतिष्ठानों के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में यह कहा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, अब सीमेंट और स्टील उद्योग में कोयले के स्थान पर हरित हाइड्रोजन का ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने का समय आ गया है। हमें धातु उद्योग चलाकर मूल्यवर्धन पर काम करना चाहिए, जहां खनन उत्पाद ऊर्जा के रूप में हरित हाइड्रोजन का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमें पर्यावरण की रक्षा करनी होगी और साथ ही साथ अपने उत्पादन में वृद्धि भी।

ममता को कांग्रेस से पुराना रिश्ता याद दिला अधीर रंजन का निशाना

नई दिल्ली / कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने गोवा में कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह अब एक ऐसी पार्टी के लिए ऐसा कर रही हैं जो हमेशा उनके समर्थन में सामने आती है। क्या वे भाजपा के एक एजेंट का काम कर रही हैं। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी का कांग्रेस पर बयान देना पार्टी नेताओं के गले नहीं उतर रहा है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष नीतू डिसूजा के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। अपना बयान जारी करते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा, वो ये जानना चाहते हैं कि विपक्षी एकता को मजबूत करने की कोशिश कर रही ममता बनर्जी ने अतीत में भाजपा के साथ गठबंधन क्यों किया था और एनडीए में मंत्री बनी थीं। संयोग से ममता बनर्जी ने कांग्रेस की आलोचना उस दिन की जब कांग्रेस राहुल गांधी गोवा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य भ्रमण पर पहुंचे थे। ममता बनर्जी ने भी गोवा में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। चौधरी ने यह टिप्पणी तब की जब तृणमूल तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने शनिवार को अपनी गोवा यात्रा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अधिक शक्तिशाली बने क्योंकि देश की सबसे पुरानी पार्टी राजनीति को लेकर गंभीर नहीं है और आरोप लगाया कि देश भुगत रहा है क्योंकि वह पार्टी निर्णय नहीं ले पाती है। ममता बनर्जी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बहरामपुर के सांसद अधीर रंजन ने कहा, ÷मुझे आश्चर्य है कि क्या आप अब भाजपा के एजेंट के रूप में काम नहीं कर रही हैं। कृपया याद करें कि किसने अतीत में भाजपा के साथ गठबंधन किया था और एनडीए कैबिनेट का हिस्सा भी बने। अब आप कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं। जो हमेशा आपके समर्थन में रहा है।

वकसित देश 2009 से विकासशील देशों को हर साल 100 अरब अमेरीकी डॉलर का सहयोग देने में रहे असफल : यादव

नई दिल्ली / ग्लासगो में चल रहे 26वें अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन सीओपी26 में भारत के केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि विकसित राष्ट्र 2009 से विकासशील देशों को प्रति वर्ष 100 अरब अमेरीकी डॉलर के सहयोग के लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहने के बावजूद अब भी इसे अपना 2025 तक का महत्वकांक्षी लक्ष्य बता रहे हैं। भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे मंत्री ने ब्रिटेन के ग्लासगो में शुरू हुए जलवायु परिवर्तन पर 'संयुक्त राष्ट्र के यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज' (यूएनएफसीसीसी) सीओपी26 के उद्घाटन सत्र में अपने 'बेसिक' भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। मंत्री ने ट्वीट किया, 'सीओपी26 के उद्घाटन सत्र में अपने बयान में रेखांकित किया कि विकसित राष्ट्र 2009 के बाद से विकासशील देशों को सहयोग के लिए प्रति वर्ष 100 अरब अमेरीकी डॉलर देने के लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहने के बावजूद इसे अपना 2025 तक का महत्वाकांक्षा लक्ष्य बता रहे हैं।'

'बेसिक' देश चार बड़े नए औद्योगीकृत देशों ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन का एक समूह है, जिसका गठन नवंबर 2009 में एक समझौते के तहत किया गया था। यादव 29 अक्टूबर को सीओपी26 में भाग लेने के लिए ग्लासगो पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी महत्वपूर्ण सम्मेलन में भाग लेने के लिए ग्लासगो पहुंचे और वह एक और दो नवंबर को लगभग 200 देशों के विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। 'संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज' (यूएनएफसीसीसी) के हितधारकों का 26वां सम्मेलन (सीओपी26) 12 नवंबर तक चलेगा।

यदि अखिलेश को लगता है कि जिन्ना समर्थक बयान देकर वे कुछ लोगों को खुश कर सकते हैं तो वे गलत हैं - ओवैसी

लखनऊ / समाजवादी पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को भारत की आजादी के प्रतीकों में गिनने वाले बयान की हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जमकर आलोचना की। ओवैसी ने कहा, %यदि अखिलेश यादव को लगता है कि ऐसे बयान देकर वे कुछ लोगों के वर्ग को खुश कर सकते हैं तो मुझे लगता है कि वे गलत हैं। उन्हें अपने सलाहकार बदल लेने चाहिए। उन्हें खुद को शिक्षित भी करना चाहिए और कुछ इतिहास पढ़ना चाहिए। %

बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भी इस बयान को लेकर अखिलेश को खरीखोटी सुनाई। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने वाली बीएसपी की नेता ने कहा कि अखिलेश की यह टिप्पणी और बीजेपी का इसे लेकर %जवाब% यूपी के चुनाव के पहले वोटों के ध्रुवीकरण की दोनों पार्टियों की रणनीति का हिस्सा है। मायावती ने कहा, %सपा व भाजपा की राजनीति एक-दूसरे के पोषक व पूरक रही है। इन दोनों पार्टियों की सोच जातिवादी व साम्प्रदायिक होने के कारण इनका आस्तित्व एक-दूसरे पर आधारित रहा है। इसी कारण सपा जब सत्ता में होती है तो भाजपा मजबूत होती है जबकि बीएसपी जब सत्ता में रहती है तो भाजपा कमजोर।%

को लेकर आलोचकों के निशाने पर हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने इस मामले में अखिलेश पर %हमला% बोलते हुए उन्हें इतिहास पढ़ने की सलाह दी है। सपा प्रमुख के इस बयान को लेकर भी बीजेपी भी उन्हें आड़े हाथ ले चुकी है।

ज्ञात रहे कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को हरदोई की रैली में कहा था, %सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और (मोहम्मद अली) जिन्ना ने एक ही संस्थान से पढ़ाई की और बैरिस्टर बने और उन्होंने आजादी दिलाई। उन्हें आजादी के लिए किसी भी तरीके से संघर्ष करना पड़ा होगा तो पीछे नहीं हटे।%

इस बयां के बाद भाजपा ने अखिलेश पर चुनाव के पहले %मुस्लिम तुष्टिकरण% का आरोप लगाया । यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, %समाजवादी पार्टी प्रमुख ने रविवार को जिन्ना की तुलना सरदार वल्लभभाई पटेल से की। यह शर्मनाक है। यह तालिबानी मानसिकता है जो बंटवारे में भरोसा रखती है। सरदार पटेल ने देश को एकजुट किया। वर्तमान में, पीएम (प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी) के नेतृत्व में %एक भारत, श्रेष्ठ भारत% को हासिल करने का काम चल रहा है।%%

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने ट्वीट किया, %सरदार पटेल की जयंती पर अखिलेश यादव, मोहम्मद अली जिन्ना का गुणगान क्यों कर रहे हैं% एक अन्य ट्वीट में लिखा है, %जिन्ना के प्रति इतना प्यार देख कर तो ऐसा लग रहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच के बाद एक-दो फुलझड़ी आपने भी जला ली होगी।%

इस बार अयोध्या में 12 लाख दीये जगमगायेंगे, बनेगा नया कीर्तिमान

अयोध्या / मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में इस बार दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान नया कीर्तिमान स्थापित होने जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की गयीं हैं ताकि इसकी दिव्यता और भव्यता की चहुंओर चर्चा और प्रशंसा हो। आगामी तीन नवंबर को होने वाले पांचवे दीपोत्सव कार्यक्रम में इस बार योगी सरकार अयोध्या नगरी में 12 लाख दीये जलाएगी। इस आयोजन को देखने के लिए 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' की एक टीम अयोध्या में होगी। विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए मिट्टी के एक दीए को कम से कम पांच मिनट तक जलाना होगा।

वहीं आज सोमवार से पांच दिवसीय दीपोत्सव 2021 के आयोजन की शुरुआत हो गई है। पहले दो दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दीपावली की पूर्व संध्या पर तीन नवंबर को मुख्य आयोजन है जिसमे प्रदेश के हर गांव से आने वाले पांच मिट्टी के दीये अयोध्या को रोशन करेंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि राज्य के 90 हजार से अधिक गांवों में से प्रत्येक से पांच मिट्टी के दीपक समय पर अयोध्या पहुंचेंगे। याद हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में पहली बार दीपोत्सव का आयोजन किया था। दीपोत्सव की शुरुआत 51 हजार दीयों से हुई थी। वर्ष 2019 में 4,04,226 मिट्टी के दीयों, वर्ष 2020 में 6,06,569 मिट्टी के दीयों को सरयू के तट पर जलाया गया था। इस बार सीएम योगी आदित्यनाथ ने पहले ही घोषणा की थी कि अयोध्या में इस बार के दीपोत्सव में 12 लाख मिट्टी के दीये जलाए जाएंगे।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा, गंगा की सफाई सरकार के लिए काफी अहम

नई दिल्ली / केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत ने कहा कि गंगा की सफाई सरकार के लिए काफी अहम है, क्योंकि पवित्र गंगा नदी भारत की आर्थिक गतिविधियों की आधार रही है। शेखावत ने गंगा उत्सव में कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) आम आदमी को नदी से जोड़ने में कामयाब रहा है। उन्होंने कहा, हमने गंगा को आम आदमी से जोड़ने में कामयाबी हासिल की है और इस एनएमसीजी के तहत जन आंदोलन बनाया है। गंगा की सफाई की प्रक्रिया को अंजाम देने में करोड़ों लोग अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।उन्होंने कहा, गंगा भारत की आर्थिक गतिविधि की नींव रही है और देश की 40 प्रतिशत आबादी की आजीविका गंगा पर निर्भर है, जो हमारे लिए इसकी सफाई को अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है।

शेखावत ने कहा कि भारत एक विविध देश है और गंगा जैसी नदियां लोगों को बांधकर एकजुट करती हैं, इसलिए उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता जरूरी है।इस मौके पर जलशक्ति सचिव पंकज कुमार ने कहा कि एनएमसीजी की वजह से जमीनी स्तर पर काफी सुधार देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे पानी की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। कुमार ने यह भी कहा कि सरकार नदियों की सफाई का विस्तार कर रही है।

संपादकीय

तालिबान को मान्यता का सवाल

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

तालिबान सरकार के मंत्री जबीउल्लाह मुजाहिद ने काबुल में एक पत्रकार परिषद में बोलते हुए दुनिया के देशों को धमकी दी है कि यदि विभिन्न राष्ट्रों ने तालिबान सरकार को शीघ्र ही मान्यता नहीं दी तो उसका दुष्परिणाम सारी दुनिया को भुगतना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मान्यता उनका हक है और उससे उन्हें वंचित करना किसी के हित में नहीं है। तालिबान की पहली बात व्यावहारिक है और सत्य है लेकिन दूसरी बात अर्धसत्य है। तालिबान को मान्यता देना यदि राष्ट्रों के हित में होता तो वे अभी तक चुप क्यों बैठे रहते? पाकिस्तान-जैसे देश भी उसकी मान्यता को अटकाए हुए हैं। सउदी अरब और यूएई जैसे देशों ने भी तालिबान सरकार को मान्यता अभी तक नहीं दी है जबकि पिछली तालिबान सरकार को उन्होंने सत्तारुढ़ होते ही मान्यता दे दी थी। तालिबान को सबसे पहले एक सवाल खुद से पूछना चाहिए। वह यह कि पाकिस्तान को अभी तक उनसे क्या परहेज है? पाकिस्तान की मदद के बिना तालिबान जिंदा ही नहीं रह सकते थे। काबुल पर उनका कब्जा होते ही पाकिस्तान ने अपने गुप्तचर प्रमुख और विदेश मंत्री को काबुल भेजा था। उसने तालिबान को यह अनुमति भी दे दी है कि वह इस्लामाबाद में अपना राजदूतावास चला ले लेकिन वहां कोई राजदूत नहीं होगा। तालिबान के प्रतिनिधि अमेरिका, चीन, रूस, तुर्की, ईरान और यूरोपीय संघ से बराबर मिल रहे हैं। ये देश अफगान जनता को भुखमरी से बचाने के लिए दिल खोलकर मदद भी भिजवा रहे हैं लेकिन तालिबान सरकार को मान्यता देने की हिम्मत कोई भी देश क्यों नहीं जुटा पा रहा है? इसके कई कारण हैं। एक तो तालिबान ने अपनी सरकार को खुद ही 'कामचलाऊ' घोषित कर रखा है याने उसे अधर में लटका रहा है तो दुनिया के देश उसे जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी क्यों लें? दूसरा, तालिबान सरकार कई गिरोहों से मिलकर बनी हुई है। कब कौनसा गिरोह किसे कत्ल कर देगा, कुछ पता नहीं। 40 साल पहले का खल्की-परचमी ज़माना लोग भूले नहीं हैं। तीसरा, ढाई माह गुजर गए लेकिन अभी तक तालिबान ऐसी सर्वसमावेशी सरकार नहीं बना पाए, जिसे संपूर्ण अफगान जनता का प्रतिनिधि कहा जा सके। चौथा, अब भी अफगानिस्तान से ऐसी खबरें बराबर आ रही हैं, जो तालिबान की छवि पर धब्बा लगाती हैं। वहां की औरतों, सिखों, छात्रों, पत्रकारों को मारने और सताने की खबरें रुक ही नहीं रही हैं। चाहे खुद तालिबान नेता इस तरह के क्रूर कारनामों को प्रोत्साहित न करते हों लेकिन वे अपने समर्थकों को रोकने में भी असमर्थ हैं। यदि यही स्थिति चलती रही तो तालिबान को मान्यता मिलना कठिन होगा और अफगानिस्तान की जो 10 अरब डॉलर की राशि अमेरिकी बैंकों में पड़ी हुई है, वह भी उसे नहीं मिल पाएगी। इस समय जरुरी यह है कि अफगान जनता को भुखमरी और अराजकता से बचाया जाए और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तालिबान को यदि अपने अनुयायिओं के विरुद्ध कठोर कदम उठाना पड़ें तो वे भी बेहिचक उठाए जाएं।

(चिंतन-मनन)

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं?

यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा-बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं?

इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास की कमी होती है। संयोग से उसी समय तूफान थम गया।

राशिफल

शुभ संवत 2078, शाके 1943, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि द्वादशी, मंगलवासरे, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रें, वैधृत योगे, तैतिल करणे, कन्या की चंद्रमा, प्रदोष व्रत, धन तेरस, धनवंतरी जयंती, सांय यम, गृह पूजनम चर्तुवर्ति दीप दानम, त्रिपुस्कर योग दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, जिद्दी-हठी, अपनी चलाने वाला, लोभी-कामी, उत्तमवृत्ति का भोगी, धर्म धारण करने वाला, साधु-महात्मा, योगी-योग साधक पुरुष होगा।

मेष राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, कुछ समस्यायें सुलझें किन्तु मन अशांत रहेगा।

वृष राशि - कार्य-कुशलता एवं स्त्री-वर्ग से सुख-भोग की प्राप्ति होगी, कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि - धन लाभ, कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े हुये कार्य बनेंगे, कार्य लाभ होगा।

कर्क राशि - आशानुकूल सफलता का हर्ष, स्वभाव में क्रोध, मन में उद्विघ्नता रहेगी।

सिंह राशि - भाग्य का सितारा चमकेगा, रुके हुये कार्य बनेंगे, योजनायें फलीभूत अवश्य होंगी।

कन्या राशि - स्त्री-वर्ग से सुख, कार्य में सुधार अवश्य होगा, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होगी।

तुला राशि - आशानुकूल सफलता का हर्ष अवश्य होगा, कार्यवृत्ति में सुधार, बिगड़े कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि - मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

धनु राशि - असमर्थता, शारीरिक बेचैनी, कुछ चिन्तायें मन उद्विघ्न रखें, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि - कार्य-कुशलता से संतोष, परिवर्तन प्रभावी फलप्रद होगा, रुके व्यवसाय बनेंगे।

कुंभ राशि - कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद हों, व्यवसायिक क्षमता पर ध्यान अवश्य दें।

मीन राशि - सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा, कार्य-कुशलता से संतोष, अधिकारियों से मेल-मिलाप।

कहो तो कह दूँ = 'आर्यन' की जमानत क्या हुई, टीवी चैनल्स का जैसे सब कुछ लुट पिट गया

लेखक - चैतन्य भट्ट

ऐसा जबरदस्त कॉम्पटीशन चल रहा था देश भर के नेशनल टीवी चैनल्स में कि कौन पहले ये बताने वाला है कि आर्यन ने आज क्या खाया, क्या पिया, पॉटी गया कि नहीं गया, कितनी करवट बदली उसने, जितनी बार पलकें झपकाई उसने, सोया तो कितने घंटे कितने मिनिट सोया, कौन सा सपना देखा उसने, सुबह कितने बजे उसकी आँखें खुली और कितने बजे रात को उसकी आँखे मुंद गयीं। हर चैनल का एक रिपोर्टर अपना सारा काम धाम छोड़कर एनसीबी के दफ्तर के सामने, तो दूसरा शाहरुख़ खान के बंगले मन्नत के सामने, तो तीसरा कोर्ट रूम के बाहर तैनात था कि ऐसा न हो कि आर्यन से संबधित कोई खबर उनसे चूक जाए, बेरोजगारी, मंहगाई, पेट्रोल की बढ़ी कीमते, लोगो की नौकरियां खत्म होने जैसे विषय जाएँ भाड़ में अपने को तो आर्यन की पल पल की खबर देना है अपने दर्शकों को, शाम होते होते एक पुलिस अफसर, एक फ्लॉफ़ अभिनेता या अभिनेत्री, एक बीजेपी का राजनेता, एक शिवसेना के प्रवक्ता को बैठा कर बाकायदा बहस होती थी कि आर्यन का क्या होगा, क्या उसे जमानत मिलनी चाहिए या नहीं, चैनलवाले खुद ही पुलिस, खुद ही वकील, और खुद ही जज का रोल निभाने में लगे थे। रिटायर हो गए अफसरों से पूछा जा रहा था कि वे क्या सोचते हैं। वकील अपनी दलीले टीवी चेनल्स पर दिए पड़े थे। बीच बीच में ऐंकर भी अपनी टांग घुसेड़ देता था करीब पच्चीस दिन टीवी चैनल्स के प्रोड्यूसर आराम में थे क्योंकि और कोई खबर तो उन्हें दिखानी नहीं थी आर्यन, आर्यन और सिर्फ आर्यन। रोजाना कोर्ट रूम के बाहर खड़ा टीवी का रिपोर्टर पल पल की खबर दे रहा था, दो तीन रिपोर्टर और केमरामेन उस गाडी के पीछे लग जाते थे जिसमें एनसीबी के अफसर आर्यन खान को कोर्ट लाते और ले जाते थे। कौन से रास्ते से उसे ले जाया जा रहा है, कितनी देर तक उसकी गाड़ी सिग्नल पर रुकी, गाड़ी का ड्राइवर कौन है, गाड़ी कौन सी है, उसका मॉडल कौन सा है, कितने किलोमीटर चल चुकी है, टायर कितने पुराने हैं माइलोमीटर चल रहा है या नहीं, सीटें फट गईं हैं या अभी साबुत हैं, इंजन कभी खुला है या नहीं, गाड़ी का कलर ओरिजनल है या एक बार रिपेन्टिंग हो चुकी है, ये सारी सूचनाएं रिपोर्टर और कैमरा मेन अपने दर्शकों तक पहुंचा रहे था और खुद ही अपनी पीठ थपथपा रहा था कि देखा दूसरे रिपोर्टर टापते रह गए और मैंने बतला दिया की आर्यन ने आज कौन सी कंपनी का ÷अंडरवेअर÷ पहना है, टीवी वालों का बस चलता तो वे उस गरीब की जमानत न होने देते लेकिन भला हो मुकुल रोहतगी जी का की उन्होंने आर्यन को जमानत दिलवा दी और जब से आर्यन की जमानत हुई है नेशनल टीवी चैनल्स तो जैसे बेरोजगार से हो गए हैं लगता हैं उनका सब कुछ लौर पिट सा गया हैं उन्हें समझ में ही नहीं आ रहा है कि अब वे चौबीस घंटे क्या दिखाएं, अभी तक तो आर्यन और आर्यन ही था स्क्रीन पर, लेकिन अब मेहनत करना पड़ेगी, नए सब्जेक्ट खोजना पड़ेगे, आंकड़े इकट्ठे करने पड़ेगे तब कंही जाकर खबर बनेगी। इधर एनसीबी के अफसर ÷समीर वानखेड़े÷ को जितनी पब्लिसिटी इस मामले में मिल गई है वो करोडो रुपया खर्चा करने के बाद भी नहीं मिलती, सुंबह से शाम तक एक तरफ नवाब मालिक की फोटो तो दूसरी तरफ समीर वानखेड़े की फोटो, और तो और उनका पूरा कुनबा टीवी चैनल्स पर नमूदार हो गया। बाप, बीबी, बहन पूरे परिवार को टीवी चैनल्स वाले अपने परदे पर ले आये, लेकिन अब उनके सामने बहुत बड़ा संकट है कि वे क्या दिखाएं, जनता के मुद्दों से तो उन्हें कोई मतलब है नहीं, उनका तो ऊपर वाले से यही निवेदन रहता है कि कोई सेलेब्रिटि किसी लफड़े में फंस जाए और उनको महीने दो महीने का राशन पानी मिल जाए, देखते हैं ऊपर वाला अब इनकी इच्छा कब पूरी करता है।

सही तो कह रहा है 'किम जोंग उन'

उत्तरी कोरिया का पगला तानाशाह ÷किम जोंग उन÷ ने अपने देशवासियों से कह दिया है कि कोरोना के चलते उसने चीन की सीमायें बंद कर दी है इसलिए वंहा से आने वाली चीजे और अनाज भी आना बंद हो गया हैं इसलिए देशवासियों को पैगाम दिया है कि खाना कम करो ताकि अनाज की किल्लत न हो क्योंकि अभी 2025 तक वो सीमाएँ नहीं खोलेगा, ऐसे में हर देश वासी को अपने भोजन में कटौती करना पड़ेगी। किम जोंग उन को सनकी तो कहा ही जाता है ऊपर से तानाशाह है, कब किसको गोलियों से भुंजवा दे, कब किसको फांसी पर चढ़वा दे कहना मुश्किल है इसलिए लोगों ने खाना कम का दिया है। एक हिसाब से देखी तो जोंग उन ने बात तो पते की है, लोग बाग़ अपना वजन कम करने के लिए कितने धतकरम करते हैं डायटिंग करते हैं, खाना कम कर देते हैं, दौड़ लगाते हैं, कसरत करते हैं, उसके बाद भी वजन काम नहीं होता,ऐसे में किम जोंग उन ने जो फॉर्मूला देशवासियों को बतला दिया कि कम खाओ और वजन घटाओ। पता चला हैं कि खुद किम जोंग उन ने अपना वजन कई किलोग्राम कम कर लिया है। अपना सोचना तो ये है कि हर कोई स्लिम दिखना चाहता है इस हिसाब से उत्तरी कोरिया की जनता यदि खाना कम कर देगी तो निश्चित तौर पर उनका वजन कम होगा वे स्लिम ट्रिम दिखाई देने लगेंगे, उनकी खूबसूरती भी बढ़ जाएगी उसलिए किम जोंग उन की बात मानो और खाना कम कर दो% इसी में भलाई है खर्चा भी बचेगा और स्लिम ट्रिम भी हो जाओगे वरना वो सनकी कुछ भी कर सकता हैं।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

÷जब हमने शादी की थी तब तो आप मुझे ÷मेरी रसमलाई÷ ÷मेरी रबड़ी÷ ÷मेरी बर्फी÷ जैसे नामों से बुलाते थे अब क्यों नहीं बुलाते, श्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा।

÷पगली दूध की मिठाई ज्यादा दिनों तक प्रेश नहीं रहती÷ श्रीमान जी का उत्तर था।

भगवान धन्वंतरि जयंती

विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

धन तेरस पर भगवान धन्वंतरि की विशेष पूजा होती है। उन्हें आयुर्वेद का जन्मदाता और देवताओं का चिकित्सक माना जाता है। भगवान विष्णु के 24 अवतारों में 12वां अवतार धन्वंतरि का था।

धन्वंतरि के जन्म के संबंध में हमें तीन कथाएं मिलती हैं:-

1. समुद्र मन्थन से उत्पन्न धन्वंतरि प्रथम :- कहते हैं कि भगवान धन्वंतरि की उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुए थी। वे समुद्र में से अमृत का कलश लेकर निकले थे जिसके लिए देवों और असुरों में संग्राम हुआ था। समुद्र मंथन की कथा श्रीमद्भागवत पुराण, महाभारत, विष्णु पुराण, अग्नि पुराण आदि पुराणों में मिलती है।

2. धन्व के पुत्र धन्वंतरि द्वितीय :- कहते हैं कि काशी के राजवंश में धन्व नाम के एक राजा ने उपासना करके अज्ज देव को प्रसन्न किया और उन्हें वरदान स्वरूप धन्वंतरि नामक पुत्र मिला। इसका उल्लेख ब्रह्म पुराण और विष्णु पुराण में मिलता है। यह समुद्र मंधन से उत्पन्न धन्वंतरि का दूसरा जन्म था। धन्व काशी नगरी के संस्थापक काश के पुत्र थे।

काशी वंश परंपरा में हमें दो वंशपरंपरा मिलती है। हरिवंश पुराण के अनुसार काश से दीर्घतपा, दीर्घतपा से धन्व धन्वे से धन्वंतरि, धन्वंतरि से केतुमान, केतुमान से भीमरथ, भीमरथ से दिवोदास हुए जबकि विष्णु पुराण के अनुसार काश से काशेय, काशेय से राष्ट्र, राष्ट्र से दीर्घतपा, दीर्घतपा से धन्वंतरि, धन्वंतरि से केतुमान, केतुमान से भीमरथ और भीमरथ से दिवोदास हुए।

3.वीरभद्रा के पुत्र धन्व?तरि तृतीय :- गालव ऋषि जब प्यास से व्याकुल हो वन में भटकर रहे थे तो कहीं से घड़े में पानी लेकर जा रही वीरभद्रा नाम की एक कन्या ने उनकी प्यास बुझायी। इससे प्रसन्न होकर गालव ऋषि ने आशीर्वाद दिया कि तुम योग्य पुत्र की मां बनोगी। लेकिन जब वीरभद्रा ने कहा कि वे तो एक वेश?या है तो ऋषि उसे लेकर आश्रम गए और उन्होंने वहां कुश की पुष्पाकृति आदि बनाकर उसके गोद में रख दी और वेद मंत्रों से अभिमंत्रित कर प्रतिष्ठित कर दी वही धन्वंतरि कहलाए।

विस्तार :- उपरोक्त में से प्रथम दो कथाएं ज्यादा मान्य है। प्रथम कथा के अनुसार देवता एवं दैत्यों के सम्मिलित प्रयास के शांत हो जाने पर समुद्र में स्वयं ही मंथन चल रहा था जिसके चलते भगवान धन्वंतरि हाथ में अमृत का स्वर्ण कलश लेकर प्रकट हुए। विद्वान कहते हैं कि इस दौरान दरअसल कई प्रकार की औषधियां उत्पन्न हुईं और उसके बाद अमृत निकला।

हालांकि धन्वंतरि वैद्य को आयुर्वेद का जन्मदाता माना जाता है। उन्होंने विश्वभर की वनस्पतियों पर अध्ययन कर उसके अच्छे और बुरे प्रभाव-गुण को प्रकट किया। धन्वंतरि के हजारों ग्रंथों में से अब केवल धन्वंतरि संहिता ही पाई जाती है, जो आयुर्वेद का मूल ग्रंथ है। आयुर्वेद के आदि आचार्य सुश्रुत मुनि ने धन्वंतरिजी से ही इस शास्त्र का उपदेश प्राप्त किया था। बाद में चरक आदि ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया।

कहते हैं कि धन्वंतरि लगभग 7 हजार ईसापूर्व हुए थे। वे काशी के राजा महाराज धन्व के पुत्र थे। उन्होंने शल्य शास्त्र पर महत्वपूर्ण गवेषणाएं की थीं। उनके प्रपौत्र दिवोदास ने उन्हें परिमार्जित कर सुश्रुत आदि शिष्यों को उपदेश दिए। दिवोदास के काल में ही दशराज्ञ का युद्ध हुआ था। धन्वंतरि के जीवन का सबसे बड़ा वैज्ञानिक प्रयोग अमृत का है। उनके जीवन के साथ अमृत का स्वर्ण कलश जुड़ा है। अमृत निर्माण करने का प्रयोग धन्वंतरि ने स्वर्ण पात्र में ही बताया था।

उन्होंने कहा कि जरा-मृत्यु के विनाश के लिए ब्रह्मा आदि देवताओं ने सोम नामक अमृत का आविष्कार किया था। धन्वंतरि आदि आयुर्वेदाचार्यों अनुसार 100 प्रकार की मृत्यु है। उनमें एक ही काल मृत्यु है, शेष अकाल मृत्यु रोकने के प्रयास ही आयुर्वेद निदान और चिकित्सा हैं। आयु के न्यूनाधिक्य की एक-एक माप धन्वंतरि ने बताई है।

%धनतेरस% के दिन उनका जन्म हुआ था। धन्वंतरि आरोग्य, सेहत, आयु और तेज के आराध्य देवता हैं। रामायण, महाभारत, सुश्रुत संहिता, चरक संहिता, काश्यप संहिता तथा अष्टांग हृदय, भाव प्रकाश, शार्गधर, श्रीमद्भावत पुराण आदि में उनका उल्लेख मिलता है। धन्वंतरि नाम से और भी कई आयुर्वेदाचार्य हुए हैं। आयु के पुत्र का नाम धन्वंतरि था।

आयुर्वेद यानी आयुर +वेद = आयुर्वेद आयु कहते हैं शरीर आत्मा मन और इन्द्रियों के संयोग को आयु कहते हैं जिसमे इनका ज्ञान मिलता हैं उसे वेद या विज्ञान कहते हैं .आयुर्वेद सम्पूर्ण वैज्ञानिक शास्त्र हैं और वर्तमान समय में शासको ने इसकी महत्ता को समझकर इसको पुर्नस्थापित करने का बीड़ा उठाया हैं.यह शरीर के साथ मन का इलाज करके आत्मा को परमात्मा बनाने में महत्वपूर्ण और सहयोगी हैं .

सबके मंगल मय स्वास्थय की कामना करता हूँ.

पोप से भेंटः मोदी का मकसद....!

लेखक- ओमप्रकाश मेहता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने अपनी इटली यात्रा के दौरान कैथोलिक इसाईयों के मुख्य धर्मगुरू पोप फ्रांसिस से भेंट की तथा अनेक वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया, यह भेंट तय समय बीस मिनट से तीन गुने समय अर्थात् एक घण्टे चली, इस चर्चा में गोवा व केरल पर भी चर्चा की गई। पोप फ्रांसिस ने भी हमारे प्रधानमंत्री को पूर्ण सम्मान दिया। प्रधानमंत्री ने ईसाईयों के वैश्विक धर्मगुरू से भेंट कर अपने कई राजनीतिक व धार्मिक मकसदों की पूर्ति की। मोदी जी भारत के पांचवें प्रधानमंत्री है, जिन्होंने कैथोलिक धर्मगुरू के साथ सौहार्दपूर्ण भेंट की, मोदी से पूर्व प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, इन्द्रकुमार गुजराल और अटल बिहारी वाजपेयी वेटिकन के तत्कालीन धर्मगुरूओं से भेंट कर चुके है।

मोदी-पोप की भेंट के संदर्भ में यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत का आम ईसाई वोटर पारम्परिक रूप से अब तक कांग्रेस के साथ ही रहा है, ऐसे में इस भेंट के बाद यदि यह कहा जाए कि मोदी जी ने पोप फ्रांसिस से भेंट कर भारत के ईसाई मतदाताओं की सहानुभूति और विश्वास अर्जित करने का प्रयास किया तो यह कतई गलत नहीं होगा। इसका ताजा उदाहरण केरल कैथोलिक विश्व सम्मेलन के अध्यक्ष कतर्किनल जॉर्ज एलेन चेरी का वह बयान है जो उन्होंने मोदी जी की इस भेंट के बाद जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि मोदी-पोप की यह भेंट हमारे देश व वैटिकन और कैथोलिक चर्च के बीच सम्बंधों में नई ऊर्जा और गर्मजोशी का संचार करेगी, जार्ज एलेन चेरी का यह बयान इसलिए भी महत्व रखता है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से देश के ईसाई संस्थानों पर हमलों का दौर जारी है और देश की सरकार पर इन हमलों को रोक पाने में निष्क्रीयता के आरोप लगाए जा रहे है।

यद्यपि प्रधानमंत्री ने पोप फ्रांसिस से धरती को बेहतर बनाने से लेकर विश्व के कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की, इसीलिए यह चर्चा पूर्व निर्धारित समय से करीब चालीस मिनट अधिक चली, किंतु यह भी सही है कि इस चर्चा को भारत तथा भारत की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा दोनों के लिए ही काफी उपयोगी और समयानुकूल माना जा रहा है और इस भेंट से देश के ईसाईयों के मन-मस्तिष्क को बदलने में भाजपा को काफी सफलता मिलेगी।

यहाँ यह बताना भी समयोचित होगा कि भारत के ईसाईयों की कांग्रेस के प्रति जो दिलचस्पी व सहानुभूति है, वह आज की नहीं कई दशकों पुरानी है, खासकर उस समय की जब जुलाई 1955 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने वेटिकन की यात्रा कर पहली बार तत्कालीन धर्मगुरू पोप पायस-12 से भेंट की थी और गोवा को पुर्तगालियों के कब्जे से छुड़ाकर उसे आजाद कर अखण्ड भारत के साथ मिलाने पर गंभीर मंत्रणा की थी, तभी से भारत का आम ईसाई वोटर कांग्रेस के साथ है और अब नेहरू के बाद मोदी जी ऐसे प्रधानमंत्री है, जिन्होंने ईसाई वोटरों की सोच बदलने की दिशा में यह प्रयास किया है। यद्यपि नेहरू को उस समय देश की कतिपय ईसाई संस्थाओं व संगठनों का विरोध भी झेलना पड़ा था, किंतु मौजूदा माहौल में मोदी के लिए ऐसा कोई खतरा नही है।

अब यह तो भविष्य के गर्भ में है कि मोदी-पोप की इस भेंट का देश में राजनीतिक स्तर पर कितना असर होता है? और ईसाई वोटरों की मंशा के अनुरूप उनकी संस्थाओं पर हो रहे हमले रूकते है या नहीं? किंतु यह तय है कि विश्व के धार्मिक व राजनीतिक शीर्ष नेताओं की यह भेंट कई सार्थक परिणाम अवश्य प्रदर्शित करेगी।

संक्रमण को न्योता

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

दुनियाभर में कोरोना के बढ़ते केसों ने फिर से चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और चीन जैसे देश फिर से लॉकडाउन की तरफ जा रहे हैं। अमेरिका में 5 से 12 साल तक के 41 फीसदी बच्चे संक्रमण का शिकार हो गए हैं। ये वह देश हैं, जो अपने यहां शत-प्रतिशत टीकाकरण कर चुके हैं। इस स्थिति में भारत के लिए हालात ज्यादा गंभीर हो गए हैं। हमने 100 करोड़ से ज्यादा टीकाकरण जरूर कर लिया है, मगर अब भी बड़ी आबादी वैक्सीन से अछूती है। पहली डोज लेने के बाद दूसरी डोज के लिए लोग आगे नहीं आ रहे हैं। यह संकट बढ़ाने वाला कारक है। देश में कोरोना संक्रमण के घटते मामले राहत पैदा करने वाले जरूर हैं। मगर त्योहारी मौसम के बाद देश में संक्रमण की क्या स्थिति होगी, पता नहीं है। सरकार लगातार सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने की अपील कर रही है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस संबंध में आगाह कर चुके हैं। माना कि केरल जैसे कुछेक राज्यों को छोड़ दिया जाए तो बाकी राज्यों में हालात लगभग काबू में हैं। मगर इसका मतलब यह नहीं कि मनमानी पर उतर जाया जाए। कई राज्यों में लोगों की लापरवाही बता रही है कि हम कोरोना को फिर से निमंत्रण दे रहे हैं। यह स्थिति तब है जब कोरोना विषाणु का एक और नया रूप सामने आ चुका है। चिंता की बात ज्यादा इसलिए है कि यह ए वाई-4.2 विषाणु कोरोना के डेल्टा रूप की शृंखला का है और डेल्टा की तरह ही ब्रिटेन से भारत पहुंचा है। माना जाता है कि भारत में कोरोना की दूसरी लहर ने जो कहर बरपाया था, वह विषाणु के डेल्टा रूप के कारण ही फैली थी। इसलिए यह आशंका बेवजह नहीं कि कहीं नया विषाणु वैसा ही संकट खड़ा न कर दे। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और यहां तक कि जम्मू कश्मीर में भी इसके मामले सामने आए हैं। इससे यह तो साफ है कि भले अभी बहुत ज्यादा मरीज सामने न आए हों, लेकिन विषाणु का यह रूप भी लोगों को अपना शिकार तो बना ही रहा है। केरल में हालात अभी भी गंभीर ही हैं। देश में संक्रमण के रोजाना जितने मामले सामने आ रहे हैं, उनमें आधे से ज्यादा तो केरल से ही हैं। ऐसे में नए विषाणु के खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ए वाई-4.2 विषाणु ब्रिटेन सहित कई यूरोपीय देशों के लिए नए संकट के रूप में उभरा है। अकेले ब्रिटेन में पिछले चार दिन में पचास हजार से ज्यादा संक्रमितों का मिलना बताता है कि इसके प्रसार की रफ्तार भी डेल्टा से कम नहीं है। रूस में रोजाना हजार से ज्यादा लोग इससे संक्रमित मिल रहे हैं। इजराइल में भी यह अपना असर दिखा रहा है। यानी जिन देशों ने अपने यहां महामारी की दूसरी-तीसरी लहर से निपटने में जो चुस्ती दिखाई थी और आबादी के बड़े हिस्से का टीकाकरण कर दिया, वहां अब डेल्टा परिवार का यह रूप बड़े पैमाने पर संक्रमण का कारण बन गया है। कोरोना विषाणु को लेकर ज्यादा खौफ इसलिए भी बना हुआ है कि पिछले डेढ़-दो साल में यह विषाणु सैकड़ों रूप बदल चुका है और हर नया रूप संक्रमण के फैलाव और मारक क्षमता में पिछले वाले से ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। दुनिया में जिन कुछ देशों ने महामारी का सबसे ज्यादा कहर झेला है, उनमें भारत भी है। अमेरिका और ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा संक्रमण और मौतें भारत में हुईं। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में ब्रिटेन से कुछ लोग भारत पहुंचे थे, जो डेल्टा विषाणु से संक्रमित थे। भारत पहुंचने पर ये लोग हवाई अड्डे से बिना जांच करवाए निकल गए थे। नतीजा यह हुआ कि कुछ ही दिनों बाद देश के कई हिस्सों में डेल्टा रूप वाला संक्रमण फैलना शुरू हो गया और इसका नतीजा दूसरी लहर के रूप में देखने को मिला। इसलिए भारत में अब सतर्कता की जरूरत है। भले अब दूसरे देशों से आने वाले नागरिकों पर से कोरोना संबंधी प्रतिबंधों में ढील दे दी गई हो, पर यात्रियों की कोरोना जांच में जरा-सी ढिलाई भी बड़े संकट की ओर धकेल सकती है। इन दिनों वैसे भी त्योहारों की वजह से बाजारों में भीड़ बढ़ रही है, इसलिए भी खतरा कहीं ज्यादा बना हुआ है। ऐसे में कोरोना से बचाव संबंधी उपाय और टीकाकरण के अलावा सावधानी ही संकट से बचाएगी।

मुरैना जिले में म.प्र. स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

मुरैना / मध्यप्रदेश का 66वां स्थापना दिवस मुरैना जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय पर टाउनहॉल में ''आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश'' के लिये जनभागीदारी की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम को ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत तीन उद्योग पट्टिकाओं का अतिथियों द्वारा अनावरण किया गया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। सुबह से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये जनभागीदारी अभियान पर केन्द्रित गायन, वादन, नृत्य, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, मैराथन दौड़, रैली, प्रभात फेरी आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

टाउनहॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपा गुप्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यमंत्री श्री गिर्राज डंडोतिया ने की। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हमीर पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोपाल गांधी, कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोशन कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन से हुआ। इसके पूर्व शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उ.मा. विद्यालय क्रमांक-1 और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्र भक्ति के गीतों पर रोचन नृत्य ने प्रस्तुति दी।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के आयोजित कार्यक्रम में भारत माता की जय के नारे लगाते

हुये मुख्य अतिथि डॉ. योगेशपाल गुप्ता ने सभी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनायें दी। श्री गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश हमारे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में संपूर्ण प्रदेश सर्वांगीण विकास कर रहा है। मध्यप्रदेश कई योजनाओं में देश में अव्वल स्थान पर पहुंचा है। कोरोना संकट के समय भी मुख्यमंत्री के द्वारा निरंतर चाहे किसान कल्याण की बात हो या अन्य विकास कार्य लगातार प्रदेश के विकास के लिये कार्य करते है। श्री गुप्ता ने जिले के 600 बिस्तरीय हॉस्पीटल के भव्य निर्माण पर कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ को बधाई दी।

पूर्व राज्यमंत्री श्री गिर्राज डंडोतिया ने कहा कि मुरैना के मंदिर हमारी धरोहर है। यह धरोहर पूरे देश में चर्चित है। उन्होंने कहा कि जब से मध्यप्रदेश की नींव रखी गई है, तब से मध्यप्रदेश लगातार तरक्की कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पूरा प्रदेश फल-फूलता दिखाई दे रहा है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने मध्यप्रदेश को देश में प्रगतिशील राज्य बनाने का संकल्प लिया है।

पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना ने कहा कि खुशी की बात है कि आज हम 66वां मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मना रहे है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस हर जिले में बनाने की शुरूआत प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की, कि आज मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर एक जिला एक उत्पाद के तहत 3 औद्यौगिक इकाईयां स्थापित हो रही है।

वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोपाल गांधी ने कहा कि मुरैना एक ऐतिहासिक एवं समृद्धशील नगरी है। यहां की चंबल नदी का पानी बहुत ही शक्तिशाली एवं शुद्ध है। ऐंती पर्वत पर भगवान शनिदेव का विश्व विख्यात मंदिर है।

अन्य शनि मंदिरों की स्थापना ऐंती पर्वत से ली गई शिलाओं से ही हुआ है। उन्होंने बताया कि कृष्ण की बुआ कुंती का गांव भी मुरैना जिले में कुंतलपुर के नाम से विख्यात है। 64 योगिनी मितावली शिव मंदिर को देखकर ही अंग्रेजों ने संसद भवन का निर्माण कराया था। मुरैना जिला ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध स्थल है।

इस अवसर पर नगर पालिका की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, मीसाबंद्धियों एवं पूर्व सैनिकों की विधवाओं का फूल्रा-माल्रा पहनाकर सम्मानित किया गया।

मौके पर एक जिल्रा एक उत्पाद के अन्तर्गत सरसों तेल के लिये 5 करोड़ 55 लाख रूपये के पूंजी निवेशकर श्री सन्नी गर्ग द्वारा ग्राम लेहगाढ तहसील बानमौर में मैसर्स करह फूड प्रोडक्ट्स इकाई स्थापित की गई है। इसी प्रकार सरसों की औद्यौगिक इकाई श्री प्रतीक मित्तल द्वारा 5 करोड़ 6 लाख रूपये पूंजी निवेश करये* और श्री जुगल किशोर अग्रवाल ने 12 करोड़ रूपये की पूंजी निवेश करके बानमौर में औद्यौगिक इकाई स्थापित की है। इन तीन शिल्र पट्टिकाओं का अनावरण अतिथियों द्वारा किया गया।

इसी मौके पर जिल्रा एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत दो शहद उत्पादकों को विंध्या बैल्री ब्रांडिग प्रमाणपत्र का वितरण दो स्व-सहायता समूहों को किया, जिनके आदेश प्रमाणपत्र सौंपे गये।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस भोपाल में आयोजित भव्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एल्ईडी के माध्यम से टाउनहॉल में देखा गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मौके पर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का अपने संदेश का वाचन कर प्रदेशवासियों को म.प्र. स्थापना दिवस की शुभकामनायें दी।

शहीद स्मारक पर लाइटिंग एवं राष्ट्रीय ध्वज हाई स्तम्भ का लोकार्पण केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर करेंगे

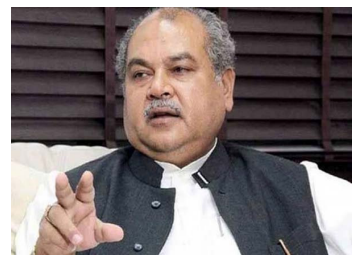

मुरैना / शहीद स्मारक पर लाइटिंग एवं राष्ट्रीय ध्वज हाई स्तम्भ का लोकार्पण केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में किया जायेगा। यह आयोजन 2 नवम्बर को सायं 5 बजे अमर शहीद न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलेनी मुरैना में आयोजित होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण (स्वतंत्र प्रभार), नर्मदा घाटी विकास रा%यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह करेंगे।

म.प्र. स्थापना दिवस पर किया सेवा कार्य सामाजिक समरसता हेतु लोगों ने लिया संकल्प

मुरैना / आत्मनिर्भरता की रहा पर बढता मप्र,हमारा मप्र अदभुत और अनूठा हैं।देश के हृदय में बसा यह राज्य एक ऐसा खूबसूरत गुलदस्ता हैं, जिसमें अलग अलग रंग और खुशबू के फूल सजे हैं। साहित्य, कला, संस्कृति, समृध्दि, पर्यटन, शांतिप्रियता, अतिथि सत्कार, सामाजिक सौहार्द आदि आदि में हमारा मध्य प्रदेश पूरे विश्व में बेजोड़ हैं। कई क्षेत्रों में प्रदेश ने अपनी अलग पहचान बनाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक पर स्थान हासिल किया है।

आज एक नवंबर मध्य प्रदेश के 66वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड सबलगढ़ जिला मुरैना की विकास खण्ड समन्वयक श्रीमती वन्दना सगर जी के नेतृत्व में कार्य कर रहीं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति,वालेंटियर, सामाजिक संस्थाओं, छात्र छात्राओं, नवांकुर संस्थाओं के द्वारा मप्र स्थापना दिवस को सेवा कार्य के रूप में इंदिरा गांधी स्कूल संजय नगर सबलगढ़ के प्राचार्य श्री ऋषि शुक्ला जी की अध्यक्षता मे मनाया गया। सर्वप्रथम उक्त कार्यक्रम में विकास खण्ड समन्वयक श्रीमती सगर के द्वारा भारत माता एवम् मां सरस्वती जी के चरणों में वंदन, दीप प्रज्वलन पूजन और फूल माला अर्पित की। मप्र स्थापना दिवस पर सभी को संबोधित करते हुए म प्र राज्य की अनुठी बेमिसाल उपलब्धि एवं अपार संभावनाएं पर विस्तार से जानकारी देकर अवगत कराया गया। तत्पश्चात सभी को आज के दिवस पर सेवा कार्य का संकल्प दिलाते हुए कहा कि आज मप्र के 66वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हम प्रण लेते है कि समाज के हर वंचित, शोषित, कमजोर वर्ग के साथ सामाजिक समभाव रखेंगे तथा समाज विकास के प्रत्येक कार्य में हर वर्ग को समान रूप से सहभागी बनायेंगे। हम संकल्प लेते है कि सामाजिक समरसता मूल मंत्र का पालन करते हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने हेतु भरसक प्रयास करेंगे तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर मप्र बनाने में सहयोग करेंगे। प्राचार्य ने अपने विचार एवम् आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश बनाने के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती वन्दना सगर जी,स्कूल प्राचार्य श्री ऋषिकुमार शुक्ला, मेंटर्स महेश नारोलिया, मुकेश जाटव, भान सिंह कोरोना विलेंटियर्स कु दिव्या शर्मा, श्रीमती वर्षा राजावत, धर्मेंद्र राठौर पूर्व दलअ शशीकांत मरैया एवं सीएमक्लीडीपी छात्र आदि कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष महेश नारोलिया के द्वारा व्यक्त किया गया।

जिला पंचायत के सीईओ ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर साईकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

मुरैना / ÷लोहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। जिसके परिपेक्ष्य में मुरैना शहर में साईकिल रैली का आयोजन किया गया। आयोजन में पुलिस विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एनसीसी, नेहरू युवा केन्द्र एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के खिलाडियों, युवाओं द्वारा भाग लिया गया।

साईकिल रैली को प्रात÷ 8 बजे जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोशन कुमार सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। साईकिल रैली डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम से प्रारम्भ होकर एमएस रोड़, पुलिस पेट्रोल पम्प, पुरानी कलेक्ट्रेट, हनुमान चौराहा, स्टेशन से वापस होते हुए स्टेडियम पर समाप्त हुई। साईकिल के समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री ललित शाक्यवार ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पुलिस विभाग, खेल विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के कर्मचारी, खेल प्रशिक्ष, शिक्षक एवं अन्य नागरिक उपस्थित थे।

जन अभियान परिषद ने मनाया म.प्र. स्थापना दिवस

मुरैना / मध्यप्रदेश के 66वे स्थापना दिवस के अवसर पर जन अभियान परिषद मुरैना द्वारा अंबेडकर पार्क, सिंगल बस्ती में समरसता संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता श्री कौशलेंद्र अवस्थी एवं वरिष्ठ समाजसेवी व अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री रामनाथ सिंह पिप्पल, मंडल पूर्व के महामंत्री श्री दिलीप सिंह, जन अभियान परिषद मुरैना के जिला समन्वयक श्री संतोष सिंह तोमर, ब्लॉक समन्वयक श्री अनिल मोदी, मुरैना यूथ अकादमी संस्था के सचिव संदीप सेंगर, जिला समरसता प्रमुख श्री मनोज वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री कौशलेंद्र अवस्थी द्वारा सभी को मध्य प्रदेश के 66वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई साथ ही उन्होंने कहा कि हम सबको बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और जब हम उन्हें शिक्षित करेंगे तो वह देश के अच्छे नागरिक बन कर प्रदेश व देश का मान बढ़ाएंगे, मध्य प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा गरीब निर्धन परिवारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं आप सब उन योजनाओं का स्वयं भी लाभ ले सकते हैं तथा अपने आसपास के लोगों को इन योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद कर सकते है। इस अवसर पर श्री रामनाथ सिंह पिप्पल द्वारा प्रदेश की भौगोलिक जानकारी देते हुए कहां कि हमारा प्रदेश वन संपदा, खनिज संपदा एवं उन्नत कृषि वाला प्रदेश है, समरसता को लेकर बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने संविधान में सभी को आगे बढ़ने के समान अवसर दिए हैं शिक्षा के द्वारा गरीब पिछड़ा व्यक्ति भी उन्नति कर सकता है समाज में हम सबको भाईचारा बनाना है तथा ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर अपने प्रदेश और देश को समृद्ध साली बनाना है इस हेतु सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित ब्लॉक समन्वयक श्री अनिल मोदी द्वारा जन अभियान परिषद के बारे में विस्तार से बताते हुए मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी संदीप सेंगर ने कहा कि हम सबको समाज के हर गरीब वंचित शोषित कमजोर वर्ग के साथ सामाजिक समभाव बनाए रखने की आवश्यकता है समाज विकास के प्रत्येक कार्य में हर वर्ग का योगदान, सहभागिता होगी तभी हम प्रदेश को समृद्ध प्रदेश बनाने में सफल होंगे, इस अवसर पर सभी के द्वारा संकल्प लिया गया कि वह सब सामाजिक समरसता के मूल मंत्र का पालन करते हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु भरकस प्रयास करेंगे तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे कार्यक्रम में एडवोकेट श्री गिर्राज अर्गल, श्री राकेश पारा, आकाश सेंगर, केशव शर्मा, ऋषि शर्मा रामजीत निगम, नंदकिशोर बाजोरिया, शेर सिंह, जगन्नाथ सिंह के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इसी तरह के आयोजन सभी जनपद पंचायतों में किये गये।

3 हजार 120 घरों में लार्वा पाया गया

मुरैना / जिले में डेंगू के प्रकोप को देखते हुये सघन लार्वा सर्वे कार्य मलेरिया विभाग द्वारा किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. गिर्राज गुप्ता ने बताया कि शहरी क्षेत्र में अभी तक 32 हजार घरों का लार्वा सर्वे किया गया है, जिसमें 3 हजार 120 घरों में लार्वा पाया गया है। जिसको नष्ट करने की कार्यवाही मलेरिया विभाग द्वारा की गई है। शहर में डेंगू के प्रभाव को देखते हुये मलेरिया विभाग नगर निगम के साथ मिलकर इन क्षेत्रों में सघन लार्वा सर्वे करेगा, जिन घरों में लार्वा मिलेगा, उन घरों पर पेनाल्टी की कार्यवाही की जायेगी।

जिला मलेरिया ने अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि अपने घरों में प्रतिदिन 10 मिनिट का समय देकर अपना घरों के कूलर, पानी की टंकी, फ्रीज के पीछे के टव, पुराने बर्तन, छतों पर रखे टायर-ट्यूब में साफ पानी जमा न होने दें। अन्यता डेंगू से प्रभावित हो सकते है।

1 नवम्बर से राजस्व अभिलेखों में शुद्धिकरण का पखवाड़ा शुरू

मुरैना / संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ चंबल संभाग में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये विशेष एवं उनको शुद्धिकरण अभियान (पखवाड़ा) 1 नवम्बर 2021 से प्रारंभ किया गया है। यह पखवाड़ा 15 दिनों तक चलेगा। पखवाड़े के दौरान खसरा, खतौनी एवं नक्शे आदि संबंधी राजस्व प्रपत्रों में गलती हो तो उसे आवेदक साक्ष्यों के आधार पर सुधरवा सकते है।

ग्वालियर-चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आशीष सक्सेना ने बताया कि राजस्व प्रपत्रों में समय-समय पर शुद्धिकरण की आवश्यकता है।

कमिश्नर श्री सक्सेना ने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा राजस्व अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण किया गया है। कम्प्यूटरीकरण से राजस्व अभिलेखों में जाने-अनजाने होने वाली त्रुटियां सामने आई हैं जिनका शुद्धिकरण किया जाना आवश्यक है। अब रिकॉर्ड को ऑनलाइन देखने एवं उसके पिंट लेने की सुविधा आम नागरिक को उपलब्ध है। कम्प्युटरीकरण से किसान प्रधानमंत्री किसान योजना,फसल बीमा योजना का लाभ आसानी से प्राप्त कर रहा है। साथ ही डिजिटली हस्ताक्षरित प्रतिलिपि भी निर्धारित शुल्क पर नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही है। फौती नामांतरण में भू-अभिलेख रिकार्ड में बहुत से भूमि स्वामी ऐसे दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु काफी समय पहले हो चुकी है, परंतु भूमि अभी भी उनके नाम पर दर्ज है। अब इनमें सुधार करवाया जा सकेगा। रिकार्ड में भूमि-स्वामी के रूप में प्रचलित नाम दर्ज है। परंतु शासकीय योजनाओं का लाभ देते समय उसका सत्यापन आधार कार्ड में दर्ज नाम से किया जाता है तो समस्या आती है। शुद्धिकरण पखवाड़े में प्रपत्रों में आधार कार्ड के आधार पर नाम दर्ज कराया जा सकेगा। ग्राम का खसरा, खतौनी एवं नक्शा तीनों अभिलेखों का मिलान भू-लेख पोर्टल पर दर्ज विवरण के अनुरूप होना चाहिए। इसमें भिन्नता पर संबंधित अभिलेख में सुधार करवाया जा सकेगा।

हम सब संकल्पित होकर तंबाकू नियंत्रण के लिए काम करेंगे - डॉ .पंकज शुक्ला

मुरैना / मध्य प्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएसन इंदौर द्वारा चबाने वाली तंबाकू एवं अन्य मुद्दों पर उन्मुखीकरण, परामर्श कार्यक्रम तथा वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुरैना जिले से मुरैना यूथ अकादमी संस्था के सचिव संदीप सेंगर प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए, संदीप सेंगर द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक डॉ पंकज शुक्ला, मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी के उपनिदेशक श्री विनीत कपूर, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. एस एस नैयर, सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री रंजीत सिंह, राज्य तंबाकू नियंत्रण नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार हडाऊ तथा मध्य प्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. मुकेश सिन्हा व अन्य पदाधिकारी तथा मध्य प्रदेश की विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ पंकज शुक्ला ने कहा की प्रदेश में तम्बाकू नियंत्रण अभियान जोर शोर से चलाया जाएगा और हम सब संकल्पित होकर तम्बाकू नियंत्रण के लिए कार्य करेंगे इस अवसर पर श्री विनीत कपूर जी ने कहा की सामाजिक कानूनों को लागू करने में पुलिस के साथ समाज की भूमिका महत्वपूर्ण है और हमें तम्बाकू नियंत्रण के लिए सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी साथ ही पुलिस विभाग की नगर सुरक्षा समिति को तम्बाकू नियंत्रण में शामिल करना होगा। डॉ एस एस नय्यर ने तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया तथा श्री रंजीत सिंह ने चबाने वाली तम्बाकू को प्रतिबंधित करने के लिए भारत में प्रचलित कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भारत के विभिन्न राज्यों द्वारा चबाने वाले तंबाकू प्रतिबंध के बारें में बताया उन्होंने कहा की तम्बाकू आपदा को नियंत्रित करने के लिए हमें सबसे पहले चबाने वाले तम्बाकू और सुगन्धित तम्बाकू पर प्रतिबन्ध लगाना होगा साथ ही तम्बाकू उत्पादों की वेंडर लाइसेंसिंग सुनिश्चित करनी होगी जिससे तम्बाकू उत्पाद लाइसेंस के माध्यम से ही बेचे जाए साथ ही सुनिश्चित करना होगा की तम्बाकू उत्पादों की दुकानों पर अन्य सामान न बैचे जाये।

कार्यक्रम में श्री मुकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि मध्य प्रदेश पहला राज्य था जिसने वर्ष 2012 में गुटखा के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियमन (एफएसएस) के खंड 2.3.4 के अनुसार किसी भी खाद्य उत्पाद और खाद्य उत्पादों में सामग्री के रूप में तंबाकू और निकोटीन प्रतिबंधित है द्य इसके अलावा मैग्नीशियम कार्बोनेट जैसे पदार्थों का भी उपयोग खाद्य पदार्थों में प्रतिबंधित है। भारत में विभिन्न राज्यों ने एफएसएस के खंड 2.3.4 के तहत चबाने वाले तम्बाकू पदार्थ जैसे गुटखा, जर्दा, खैनी, पानमसाला आदि को प्रतिबंधित किया गया है मध्य प्रदेश में भी इसकी सख्त आवश्यकता है ताकि हम महिलाओं ,नाबालिगों एवं युवाओं को तम्बाकू आपदा से बचा सकें।

कलेक्टर ने सीएम हैल्पलाईन की लंबित शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाने के लिए दो दिन का दिया समय

दो दिन में प्रगति नहीं लाने वाले अधिकारियों पर होगी कार्यवाही-कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

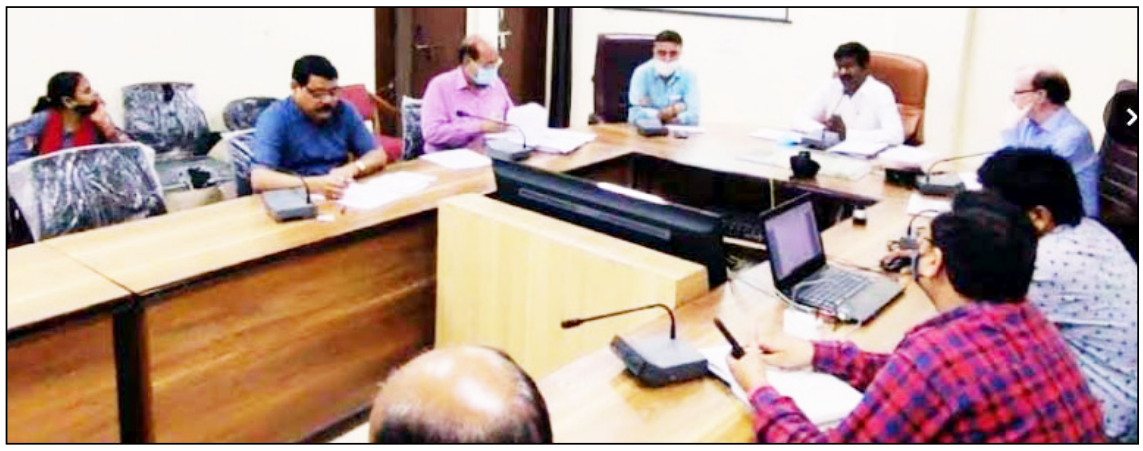

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सीएम हैल्पलाईन की लंबित शिकायतो की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन अधिकारियों ने लंबित शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाने के लिए दो दिन का समय देते हुए कहा कि यदि दो दिन के बाद जिस अधिकारी के द्वारा निराकरण में प्रगति नहीं लाई तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई उक्त बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जेके जैन, संयुक्त कलेक्टर बरूण अवस्थी, डिप्टी कलेक्टर महेश बडोले, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा के अलावा अन्य अधिकारी वर्चुअल रूप से उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने नगरीय निकायों की समीक्षा के दौरान कहा कि सीएम हैल्पलाईन की लंबित शिकायत के निराकरण में सीएमओ गोरमी ने अच्छा कार्य किया है। इसके साथ ही अन्य सीएमओ की प्रगति ठीक नहीं दिखाई दे रही है। इसलिए सीएमओगण दो दिन के अन्तर्गत प्रगति लाकर रिपोर्ट करें। उर्जा विभाग, पंचायत ग्रामीण विकास विभाग में काफी शिकायते लंबित है। राजस्व विभाग के अन्तर्गत सीमांकन के जितने भी प्रकरण लंबित है उनको निकरण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभी आगे तीन कार्यो पर प्राथमिकता से कार्य किया जाना है। जिसके अन्तर्गत पंचायत निर्वाचन स्थानीय की तैयारियों के संबंध में कहा कि आरओ, एआरओ मार्गदर्शिका का भलीभांति अध्ययन कर लें। मार्गदर्शिका को गार्डफाईल के रूप में आरओ एवं एआरओ हर समय अपने पास रखें। अभी शीघ्र ही एक कार्यशाला आयोजित की जावेगी कार्यशाला में किसी भी आरओ एवं एआरओ को मार्गदर्शिका अनुसार कर्तव्य के बारे में जानकारी पूछी जा सकती है।

कलेक्टर ने कहा कि स्ट्रांग रूप में वितरित, कलेक्षन, मतपेटी रखने के लिए एसडीएमगण सही जगह चिन्हित करें जहां कार्य उक्त निर्वाचन संबंधी कार्य किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अभी वेक्शीनेशन टीकाकरण का कार्य भी किया जाना है। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय निकाय एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से वेक्शीनेशन कार्य में अपने अपने विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों को जिम्मेदारी दें जिससे छूटे हुए लोगों का वेक्शीनेशन का द्वितीय डोज लगाया जाये एवं साथ में ही आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जाए। तीसरा प्राथमिकता वाला काम राजस्व शुद्रीकरण पखवाडे के अन्तर्गत कार्य किया जाना है। जिसके लिए एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, फोती नामांतरण, भू स्वामी के नामों में सुधार, डायवर्सन डेटाएन्ट्री का कार्य एवं अन्य दिशा निर्देशानुसार शुद्रीकरण पखवाडे के अन्तर्गत करना सुनिश्चित करें।

मध्य प्रदेश को आत्मनिर्भर की दिशा में मुख्यमंत्री चौहान का सराहनीय प्रयासः डॉ अरविंद सिंह भदोरिया

सहकारिता मंत्री डॉक्टर भदोरिया ने मध्यप्रदेश के 66 वें स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी

मध्य प्रदेश के विकास के लिए आप सभी का जन सहयोग शिवराज सरकार को मिले

भिण्ड। सुख का दाता सबका साथी शुभ का यह संदेश है मां की गोद पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है यह भाव के साथ मध्य प्रदेश सरकार में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदोरिया ने मध्यप्रदेश के 66 वें स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का विशेष सहयोग मिल रहा है गरीब मजदूर किसानोंए झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीब लोगों एवं सर्व समाज के विकास के लिए योजनाएं संचालित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के साथ कार्य कर रहे हैं। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉक्टर भदोरिया ने कहा कि मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस को 66 वर्ष का समय बीत चुका है नई उमंगों के साथ यह प्रदेश आत्मनिर्भर बने जिसके लिए प्रदेश की भाजपा सरकार को जिसका नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आपके आशीर्वाद से जनता की भलाई के लिए अनेकों योजनाएं ला कर उन तक पहुंचा रहे हैं हमारा संकल्प होना चाहिए की भारतीय संस्कृति की मुख्य पहचान स्थापित करते हुए अपना आशीर्वाद मुख्यमंत्री चौहान को दे ताकि वे और जन सेवा भाव से आगे कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश का विशेष योगदान रहा है हम सभी लोग इसे और ऊंचाइयों तक ले जाएं यही आज स्थापना दिवस पर हम सब के लिए संकल्प होगा।

संजीवनी रक्तदान संगठन के सदस्यों ने किया रक्तदान

भिण्ड। जिला अस्पताल ब्लड बैंक में संजीवनी रक्तदान संगठन के एक दर्जन सदस्यों ने जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए सोमवार को स्वैछिक रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में डॉ. बृजवाला, आरती कुमरे, प्रवीण सोनी, आनंद सिंगौर, चेतन्य शर्मा, रामु शर्मा, अमर राजावत, शिवम मुदगल, आशीष बाल्मीक, के द्वारा रक्तदान किया गया।

इस अवसर पर संगठन के संरक्षक बबलू सिंधी ने कहा कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरुरी है। अपने लिए तो सभी जीते है, पर दूसरों के लिए जीना बडी बात है। ब्लड डोनेट करके लोगों की मदद की जा सकती है। रक्तदान महादान है, इसे जीवनदान के बराबर माना जाता है। रक्तदान न केवल अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि यह रक्त देने वाले को स्वस्थ बनने में भी मदद करता हैए इसलिए यह दोनों के लिए फायदेमंद है।

डॉ. आर्य की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह सम्पन्न

भिण्ड । तत्कालीन जिला मलेरिया अधिकारी के रूप में पदस्थ सहज स्वभाव कर्मठ लगनशील डॉ. बाबूराम आर्य 31 अक्टूबर 2021 को सेवानिवृत्त हो गये। डॉ. आर्य 14 फरवरी 1985 को चिकित्सा अधिकारी के पद प्रथम नियुक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छटीबम्हौरी, जिला-छतरपुर (म.प्र.) में हुई थी। जिसके उपरांत शासकीय सेवा में उनकी यात्रा जिला-सागर से होकर वर्ष 2000 में भिण्ड में जिला क्षय अधिकारी भिण्ड के रूप में पदस्थ होकर निरंतर अपनी सेवाऐं आमजन सामान्य को दी। इसके बाद अप्रेल 2020 से वे जिला मलेरिया अधिकारी भिण्ड के रूप कार्य करते हुये सेवानिवृत्त हुये।

विदाई समरोह में जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. एस. के. व्यास, जिला मलेरिया अधिकारी, डॉ. डी.के. शर्मा, राजेश शर्मा, दीपेश दुबे, सहित ह्रदेश सहाय, रामप्रकाश शर्मा, सतीश शाक्य, नितिन शर्मा, हेमंत निरंजन, अनवेश मौर्य सहित जिला मलेरिया कार्यालय के कर्मचारी एवं स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा।

मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अजीत मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर डॉ. आर्य के साथ गुजरे पलों को याद करते हुये कहा कि डॉ. आर्य ने अपने पूर्ण सेवाकाल में कड़ी मेहनत एवं लगन से कार्य किया है। अपनी जिम्मेदारियां समझकर अपनी पूरी टीम भावना से अपने कार्य को अंजाम दिया है। डॉ. मिश्रा ने अंततः बताया कि शासकीय सेवा भी एक जीवनचक्र की तरह है जो आया उसे एक दिन जाना होता है, डॉ. बी.आर. आर्य के सेवाकाल से भविष्य में शासकीय सेवकों को सीख मिलेगी।

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस मनाया, सदस्यता अभियान की शुरुआत की

भिण्ड। भिण्ड जिला कांग्रेस ने आज जिला कांग्रेस कार्यालय पर प्रदेश का स्थापना दिवस मनाया और प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की जनता की स्वस्थ रहने और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने कहा मध्य प्रदेश के भाइयों-बहनों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई। राज्य मजबूत होंगे तभी देश मजबूत बनेगा। हमें अपने संघीय ढांचे को मजबूत बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता अनिल भारद्वाज एवं आभार वीरेंद्र यादव उमरी ने किया। घर घर जाकर करें पार्टी से नए सदस्य जोड़े कार्यकर्ता कांग्रेस अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने कहा कार्यकर्ता घर घर जाकर पार्टी की रीति नीति का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार कर नए सदस्यों को भारी संख्या में पार्टी जोड़कर सदस्यता अभियान को मजबूती प्रदान करें। कार्यक्रम को कार्यवाहक अध्यक्ष ईरशाद अहमद, नगर अध्यक्ष संजय भूता, अरविंद अरेले, राहुल कुशवाह, संजीव बरुआ,दीपू दुबे,राजवीर खन्ना, इंजी.राजू लोधी, सोहन तिवारी, राघवेंद्र कांकर, गोविंद शाक्य, दर्शन तोमर, अंकित तोमर, कुलदीप भारद्वाज, छोटू चौबे, देश दीपक शर्मा आदि ने अपने विचार रखें।

ईरशाद अहमद को मिली जिला सदस्यता अभियान का प्रभार

जिले में सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने हेतु पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष ईरशाद अहमद को सदस्यता अभियान भिण्ड जिले का प्रभार दिया गया है।

एक सैकड़ा कार्यकर्ताओ ने ली सदस्यता

मध्यप्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल में 11 बजे सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इसी संदर्भ में भिण्ड जिला कांग्रेस कार्यालय पर भी मानसिंह कुशवाह की अगुवाई में जिले भर से आए एक सैकड़ा कार्यकर्ताओ को सदस्यता ग्रहण कराई। जिसमे मेहगांव से अशोक सिंह, मुकेश जाटव, प्रमोद कुशवाह, जोनी निगम, मुकेश सिंह बराकला, श्यामवीर सिंह अटेर, सुरेंद्र शंखवार, जितवार सिंह, जबर सिंह गोरमी, ब्रजमोहन सिंह मौ, दीपू वर्मा, अनुराग जाटव, सोमेश सिंह, दिल्लीराम आदि ने भिण्ड में सदस्यता ग्रहण की।

संक्षिप्त समाचार

आयुक्त चंबल संभाग ने किया सहायक संचालक कृषि श्री शर्मा को निलंबित

भिण्ड ।आयुक्त चंबल संभाग मुरैना आशीष सक्सेना ने कलेक्टर भिण्ड के प्रतिवेदन पर सहायक संचालक कृषि भिण्ड रामनरेश शर्मा को पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया जाकर मुख्यालय उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग मुरैना नियत किया है। संयुक्त आयुक्त विकास चंबल संभाग मुरैना ने बताया कि सहायक संचालक कृषि भिण्ड रामनरेश शर्मा द्वारा वरिष्ठ के बार-बार निर्देश के उपरांत भी मुख्यालय पर निवास ना करने एवं जिले में खाद/यूरिया/ डीएपी इत्यादि उर्वरको के वितरण में आवष्यक सहयोग प्रदान ना कर अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कारण श्री शर्मा का उक्त कृत्य म.प्र.सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम तीन (1,2,3) का स्पष्ट उल्लंघन होने के कारण म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अन्तर्गत श्री शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री शर्मा को मूलभूत नियम 53 के अन्तर्गत विधिवत जीवन निर्वाहन भत्ता प्राप्त होता रहेगा।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक सम्पन्न

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कार्यपालन यंत्री भिण्ड नरेशपाल सिंह जादौन, कार्यपालन यंत्री गोहद श्रीमती सीमा त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री लहार आर बी दीक्षित, कार्यपालन यंत्री अम्बाह एमके गुप्ता सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि सदस्य पिंकी भदौरिया, वीरेन्द्र यादव, किसान बन्धु उपस्थित रहे। कलेक्टर ने नवम्बर से जनवरी 2022 तक फसलों में नहर द्वारा पानी छोड़े जाने के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली। कार्यपालन यंत्री भिण्ड नरेशपाल सिंह द्वारा बताया गया कि नवम्बर तीसरे सप्ताह से दिसंबर दूसरे सप्ताह तक पहला पानी छोड़ा जाता है, उसके बाद 15 जनवरी से 15 फरवरी 2022 तक दूसरा पानी नहरों द्वारा छोड़ा जाता है। बैठक में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कार्यपालन यंत्री गोहद श्रीमती सीमा त्रिपाठी को वैसली डैम का निरीक्षण कर अपने समक्ष जल स्तर की जांच कर अवगत कराने को कहा और सुबह और शाम जल स्तर की नाप कर रिपोर्ट डेली भेजने के निर्देश दिए।

स्थापना दिवस के अवसर के अवसर पर मैराथन दौड का हुआ आयोजन

भिण्ड । मध्यप्रदेश के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्र.1 के पर स्कूली छात्र/छात्राओं के द्वारा प्रभातफेरी को जिला पंचायत सीईओ जेके जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रभातफेरी का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-01 से इंदिरा गांधी चौराहा पर समापन हुआ। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हरिभुवन सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवं स्कूल छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे। इस क्रम में मध्यप्रदेश के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला पंचायत जेके जैन ने कॉलेज छात्र/छात्राओं के द्वारा मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन दौड़ का आयोजन इंदिरा गांधी चौराहा से लहार रोड़ पर समापन की गई।

19 क्वार्टर प्लेन मदिरा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड। गोहद थाना क्षेत्र के ग्राम कीरतपुरा में एक युवक अवैध शराब की बिक्री कर रहा था, सूचना मिलते ही दबोच लिया और उसके पास से 19 क्वार्टर शराब जब्त की। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार संजू पुत्र वीरेन्द्र बंजारा निवासी माता का पुरा जो क्षेत्र के ग्राम कीरतपुरा में अवैध शराब की बिक्री करते हुए दबोच लिया और उसके पास से 19 क्वार्टर प्लेन मदिरा, कीमत 1 हजार 900 रुपये की जब्त की।

कलेक्टर ने पटाखे चलाने को लेकर गाईडलाईन की जारी

उल्लंघन करने पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत होगी कार्यवाही

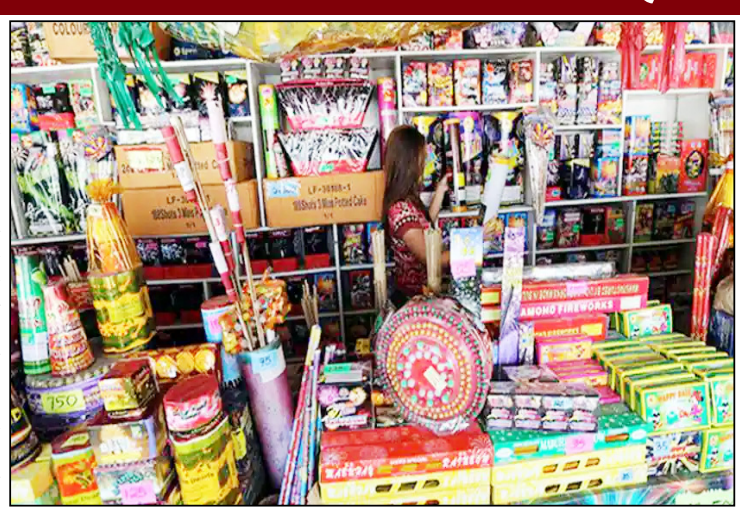

भिण्ड । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस द्वारा मध्यप्रदेश शासन गृह (सी-अनुभाग) विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल दिये गये निर्देशानुसार उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के जारी आदेश 29 अक्टूबर 2021 को जारी आदेश के अनुक्रम में जनसामान्य के स्वास्थ्य एवं लोकहित को दृष्टिगत रखते हुए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत जिला भिण्ड की राजस्व सीमा अन्तर्गत निम्नानुसार प्रतिबंधात्मक आदेश प्रसारित किये है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस ने आदेश में कहा कि ऐसे पटाखे जिनके निर्माण में जानलेवा विस्फोटक पदार्थों का उपयोग किया गया हो, प्रतिबंधित रहेंगें। कोई भी विक्रेता ऐसे पटाखों का भण्डारण एवं विक्रय नहीं करेगा और न ही कोई ऐसे पटाखों का उपयोग/प्रर्दशन करेगा। लड़ी (जुड़े हुए पटाखे) में बने पटाखे, प्रतिबंधित रहेंगे। कोई भी विकेता ऐसे पटाखों का भण्डारण एवं विक्रय नहीं करेगा और न ही कोई ऐसे पटाखों का उपयोग/प्रर्दशन करेगा। ऐसे पटाखे जिनकी तीव्रता विस्फोट स्थल से 4 मी. की दूरी पर 125 कम कमबपइमस से अधिक न हो। ऐसे पटाखों का उपयोग/प्रर्दशन नहीं करेगा। ऐसे पटाखे जिनके निर्माण में एंटीमनी, लीथियम, मरकरी, आर्सेनिक, लीड, स्ट्रोनियम, क्रोमेट का उपयोग किया गया हो, प्रतिबंधित रहेंगे। कोई भी विकेता ऐसे पटाखों का भण्डारण एवं विक्रय नहीं करेगा और न ही कोई ऐसे पटाखों का उपयोग/प्रर्दशन करेगा। पटाखों का ई-कॉमर्स कम्पनियां अथवा निजी व्यक्तियों द्वारा ऑनलाईन विक्रय तथा गैर लायसेंसी विकय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। घोषित शांति क्षेत्र के भीतर 100 मीटर दूरी तक किसी भी प्रकार के पटाखे का प्रर्दशन एवं विक्रय आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। रात्रि 8 बजे से पहले तथा 10 बजे के बाद पटाखे का चलाना/प्रर्दशन करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होकर 08 नवम्बर 2021 तक प्रभावशील होगा। अनुविभागीय दण्डाधिकारी/कार्यापालिक मजिस्ट्रेट/नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय अधिकारी पुलिस/थाना प्रभारी समस्त जिला भिण्ड उक्त प्रतिबन्ध को प्रभावी रूप से पालन करवायेगें। इस आदेश का उल्लंघन करने की दशा में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा विस्फोटक अधिनियम एवं अन्य अधिनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

90 के दशक की हिट गायिका थीं अनुराधा पौडवाल, लता मंगेशकर से होने लगी थी तुलना लेकिन एक फैसले से ढलान पर चला गया करियर

अनुराधा पौडवाल का जन्मदिन

90 के दशक में बॉलीवुड की पॉपुलर सिंगर रहीं अनुराधा पौडवाल 68 साल की हो गई हैं। 27 अक्टूबर 1954 को मुंबई के एक महाराष्ट्रियन ब्राह्मण परिवार में जन्मीं अनुराधा ने 1973 में आई अमिताभ और जया की फिल्म अभिमान से अपना करियर शुरू किया था। एक दौर था, जब लगभग हर फिल्म में अनुराधा का गाना होता था। हालांकि, अनुराधा लंबे समय से सिंगिंग से दूर हैं। आखिरी बार उन्होंने 2006 में आई फिल्म जाने होगा क्या में गाने गाए थे। इसके बाद 15 साल से वो फिल्मों से पूरी तरह दूर हैं।

भक्ति गानों की वजह से ढलान पर आया करियर

कभी लगातार हिट रोमांटिक गाने देने वाली अनुराधा पौडवाल अब सिर्फ भक्ति गीत ही गाती हैं। प्लेबैक सिंगिंग क्यों छोड़ दी, इस सवाल पर उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि मैंने अब फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया है। इसकी वजह फिल्मों का बदला स्वरूप है। पहले म्यूजिक ओरिएंटेड फिल्में बनती थीं। म्यूजिक फिल्मों की आत्मा होती था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब गानों के बोल और म्यूजिक पहले जैसे मीठे नहीं होते। मुझे अब वैसा आनंद भक्ति गीतों में मिलता है।

अनुराधा जब अपने करियर के पीक पर थीं, तो उन्होंने घोषणा कर दी कि वह अब सिर्फ गुलशन कुमार की कंपनी टी-सीरीज के लिए ही गाएंगी। इसका सीधा फायदा अलका याग्निक और दूसरी सिंगर्स को मिला। फिल्मों को छोड़ भक्ति गीत गाना शुरू करने के बाद उनका करियर ढलान पर आने लगा। करीब 5 साल तक अनुराधा ने किसी भी फिल्म या दूसरी म्यूजिक कंपनी के लिए कोई गाना नहीं गाया।

पति का हो चुका निधन

अनुराधा की शादी अरुण पौडवाल से हुई थी। अरुण एसडी बर्मन के असिस्टेंट थे और खुद भी एक म्यूजिक कंपोजर थे। उनके दो बच्चे हैं आदित्य और कविता पौडवाल। कहा जाता है कि अरुण पौडवाल की असमयिक मौत हो जाने के बाद अनुराधा और गुलशन कुमार के बीच बॉन्डिंग बढ़ गई थी। अनुराधा ने 10 साल से ज्यादा समय तक टी-सीरीज के लिए काम किया था। अनुराधा ने बॉलीवुड और भजनों के अलावा पंजाबी, बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु, उड़िया और नेपाली में भी गाने गाए हैं।

क्लासिकल सिंगिंग की नहीं ली ट्रेनिंग

अनुराधा पौडवाल को फिल्म आशिकी, दिल है कि मानता नहीं और बेटा के लिए तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड मिले हैं। उन्हें अगला लता मंगेशकर कहा जाने लगा था। एक बार ओपी नैयर ने कहा था कि लता अब खत्म, अनुराधा ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। अनुराधा लता मंगेशकर की बहुत बड़ी फैन हैं। यहां तक कि वो अपनी सिंगिंग की प्रैक्टिस भी लता जी को सुनते हुए ही करती थीं। उनकी पहली सोलो सिंगिंग मूवी हेमा मालिनी और शशि कपूर की आप बीती थी। अनुराधा इंडियन म्यूजिक को बहुत ही अच्छी तरह से पेश करती थीं। हालांकि, उन्होंने कभी भी क्लासिकल सिंगिंग की ट्रेनिंग नहीं ली थी। अनुराधा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने क्लासिकल सिंगिंग की बहुत कोशिश की, लेकिन उनसे नहीं हो पाया। अनुराधा की बेटी कविता पौडवाल भी सिंगर हैं और उन्होंने कई भजन गाए हैं। बेटे आदित्य पौडवाल का पिछले साल लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

राजकुमार राव की भीड़ में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा अपनी अपकमिंग फिल्म भीड़ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक्टर राजकुमार राव मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार अनुभव के साथ काम करने जा रहे हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भीड़ में भूमि पेडनेकर की एंट्री हो गई है। यह एक सामाजिक मुद्दे पर आधारित फिल्म है, जिस पर शायद ही बॉलीवुड में विचार किया गया है। अनुभव ने लॉकडाउन के दौरान ही आयुष्मान खुराना की फिल्म अनेक की शूटिंग समाप्त की है। अब वह अपनी टीम के साथ भीड़ की शूटिंग शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में टीम के साथ लखनऊ में शूटिंग लोकेशंस का जायजा लिया है। फिल्म के कलाकार दिवाली के बाद इस फिल्म से जुड़ जाएंगे। फिल्म की शूटिंग दिवाली के बाद लखनऊ में शुरू होगी। फिल्म का प्री प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। जब अनुभव से पूछा गया कि उन्होंने फिल्म का नाम भीड़ क्यों रखा तो उन्होंने कहा था, भीड़ उन नामों में से एक था, जिसका नाम सुनते ही पूरी टीम उसी पल उछल पड़ी। फिर यही नाम फाइनल हो गया।

ब्रह्मास्त्र की शूटिंग खत्म करने के बाद शादी करने वाले हैं रणबीर-आलिया?

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लंबे समय से अपने अफेयर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी शादी को लेकर भी खबरें आती रहती हैं। अब बताया जा रहा है कि रणबीर-आलिया जल्द ही शादी करने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, रणबीर-आलिया की शादी के लिए दिसंबर का महीना फाइनल हो गया है, जिसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी हैं। दोनों के परिवारवाले एक शानदार लोकेशन तलाश रहे हैं। जल्द ही वेडिंग डेस्टिनेशल फाइनल किया जाएगा। रणबीर और आलिया ने अपनी शादी की तैयारी के लिए अपने काम से डेढ़ महीने का ब्रेक ले लिया है। दोनों ने हाल फिलहाल में कोई प्रोजेक्ट साइन नहीं किया है। इन दिनों रणबीर, लव रंजन की अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं और आलिया फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का आखिरी शेड्यूल शूट कर रही हैं। दोनों नवंबर में फिल्म ब्रह्मास्त्र के फाइनल शेड्यूल की शूटिंग शुरू करेंगे। यह शादी से पहले शूट की गई उनकी आखिरी फिल्म होगी। आलिया ने शादी के लिए समय निकालने के लिए कोई प्रोजेक्ट साइन नहीं किया है, जबकि रणबीर ने फिल्म एनिमल को अगले साल के लिए टाल दिया है।

लाइगर की शूटिंग जारीः अनन्या पांडे से पूछताछ के बीच मुंबई में शूट हुआ लाइगर फिल्म का गाना, विजय देवरकोंडा ने अकेले की शूटिंग

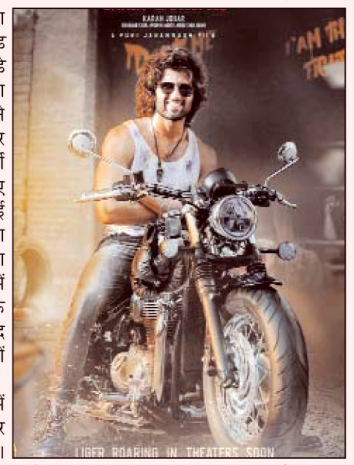

अर्जुन रेड्डी, गीता- गोविंदा, डियर कॉमरेड में नजर आ चुके विजय देवरकोंडा जल्द ही लाइगर फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे लीड रोल निभाने वाली हैं जिनसे लगातार एनसीबी ड्रग केस में पूछताछ कर रही है। अनन्या के विवादों में फंसने के बीच अब हाल ही में विजय देवरकोंडा ने मुंबई में लीगर की शूटिंग की है। लाइगर फिल्म की को-प्रोड्यूसर चार्मी कौर ने फिल्म के गाने की शूटिंग की जानकारी देते हुए ट्विटर पर लिखा, मुंबई में लाइगर के गाने की शूटिंग हुई है और भरोसा करें, विजय देवरकोंडा ने ऐसा डांस किया जो इससे पहले कभी नहीं हुआ। एक पागलपन की अपेक्षा करें। इस हॉटी की एनर्जी देखकर ये ट्वीट जल्दबाजी में किया गया है। ट्वीट के साथ चार्मी कौर ने विजय की एक अधूरी तस्वीर भी शेयर की है जिसमें उनका लुक बेहद अलग नजर आ रहा है। विजय ने अपने हाथों की उंगलियों में ऑक्सीडाइज अंगूठी पहन रखी हैं।

पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में तैयार हो रही इस फिल्म में विजय देवरकोंडा मार्शल आर्ट ट्रेनर की भूमिका में नजर आएंगे और अनन्या पांडे उनकी लेडी लव के रोल में है। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। अनन्या, विजय के अलावा फिल्म में राम्या कृष्णन, रोनित रॉय, विष्णु रेड्डी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म में माइक टाइसन भी कैमियो रोल प्ले कर रहे हैं।

कोंकणा सेन, आर बाल्की और अमित शर्मा को लस्ट स्टोरीज 2 के लिए किया गया अप्रोच

2018 में आई एंथोलॉजी फिल्म लस्ट स्टोरीज को अच्छा रिस्पांस मिला था। यह 2013 में रिलीज हुई बॉम्बे टॉकीज का दूसरा सीजन था। लस्ट स्टोरीज ने अपने बोल्ड कंटेंट के कारण फैंस का ध्यान आकर्षित किया था। लस्ट स्टोरीज में कियारा आडवाणी, राधिका आप्टे, भूमि पेडनकर और जोया अख्तर नजर आई थीं। अब जानकारी सामने आ रही है कि लस्ट स्टोरीज 2 को डायरेक्ट करने के लिए कोंकणा सेन शर्मा, आर बाल्की और अमित शर्मा को अप्रोच किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लस्ट स्टोरीज 2 पर काम चल रहा है। एक सूत्र ने कहा, ÷एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज को दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली थी। यही वजह है कि नेटफ्लिक्स के साथ निर्माता रॉनी स्क्रूवाला और आशी दुआ ने इसके दूसरे भाग पर काम करना शुरू कर दिया है।÷ सूत्र ने आगे बताया कि कोंकणा, बाल्की और अमित को अभी सिर्फ अप्रोच किया गया है और किसी तरह की कागजी कार्रवाई नहीं की गई है। लस्ट स्टोरीज को करन जौहर, अनुराग कश्यप, जोया अख्तर और दिबाकर बनर्जी ने मिलकर निर्देशित किया था। इसमें विक्की कौशल, आकाश थोसर, नील भूपालम, मनीषा कोइराला और संजय कपूर जैसे कलाकारों ने भी काम किया था।

शाहरुख खान के विवादों में फंसने के बाद नयनतारा ने छोड़ी एटली की फिल्म लॉयन, समांथा ले सकती हैं उनकी जगह

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान इन दिनों बेटे आर्यन खान के ड्रग केस में फंसने से सुर्खियों में हैं। बेटे के जेल में होने के कारण शाहरुख ने अपनी सभी शूटिंग पोस्टपोन कर दी है, ऐसे में उनकी टीम को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाहरुख, अक्टूबर में एटली की अपकमिंग फिल्म लॉयन की शूटिंग करने वाले थे, लेकिन इसके पोस्टपोन होने के बाद अब उनकी लीड एक्ट्रेस ने फिल्म छोड़ दी है। हाल ही में आई इंडिया गिल्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख खान, बेटे आर्यन के जेल में होने के कारण शूटिंग नहीं कर सकते हैं। फिल्म की लीडड एक्ट्रेस नयनतारा ने इस फिल्म की शूटिंग के अक्टूबर में समय निकाला था लेकिन शूटिंग पोस्टपोन होने के बाद वो अपनी डेट्स बदलने की स्थिति में नहीं हैं।

नयनतारा के फिल्म से निकलने के बाद डायरेक्टर एटली ने मजिली और शकुंतलम एक्ट्रेस समांथा के नाम पर विचार कर रहे हैं। फिलहाल इस बात पर कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं मिली है। अगर एक्ट्रेस और मेकर्स के बीच बात बनती है तो पहली बार शाहरुख खान और समांथा साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। नयनतारा ने अक्टूबर के आखिर और नवम्बर के शुरुआती हफ्ते को एटली की फिल्म के लिए डेट्स निकाली थी, लेकिन शाहरुख ने बेटे की जमानत तक किसी भी फिल्म या एड की शूटिंग करने से इनकार कर दिया है। शाहरुख इस महीने के शुरुआत में अजय देवगन के साथ एक कमर्शियल एड शूट करने वाले थे, हालांकि बेटे की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने आखिर समय पर शूट पर आने से इनकार कर दिया था। शाहरुख की ना-मौजूदगी में पठान की शूटिंग उनके बॉडी डबल ने की थी।

अंग्रेजों के लिए नफरत ने रोकी सरदार उधम की ऑस्कर में एंट्री

विक्की कौशल की फिल्म सरदार उधम को 94वें ऑस्कर अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। लेकिन अब यह फिल्म ऑस्कर की दौड़ से बाहर हो गई है। जिसका कारण फिल्म में अंग्रेजों के प्रति दिखाई गई नफरत है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इसे रिजेक्ट कर दिया। इस बारे में जूरी के सदस्य इंद्रदीप दासगुप्ता ने बताया है कि यह जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित है। जिसमें अंग्रेजों के प्रति भारतीयों की नफरत दिखाई गई है। स्वतंत्रता संग्राम के एक गुमनाम नायक पर बनी फिल्म शानदार है। लेकिन वैश्वीकरण के दौर में नफरत को थामे रहना सही नहीं है। यही वजह है कि इस फिल्म को ऑस्कर नहीं भेजा जा रहा है। हालांकि सोशल मीडिया पर विक्की के फैंस इस फैसले को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

अक्षय की फिल्म पृथ्वीराज में सोनू सूद की एंट्री

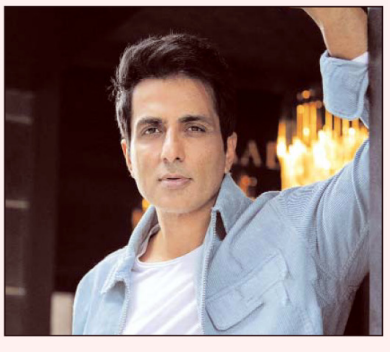

सोनू सूद के रोल का खुलासा हो गया है। खबर है कि अभिनेता सोनू कवि चंद बरदाई की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं। चंद बरदाई वही हैं जिन्होंने पृथ्वीराज के जीवन पर आधारित महाकाव्य पृथ्वीराज रासो लिखा था। हालांकि इस खबर के साथ कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बात अगर फिल्म की करें तो इसका डायरेक्शन डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी कर रहे हैं। सोनू और अक्षय के अलावा पृथ्वीराज में पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर भी होंगी जो बॉलीवुड डेब्यू कर रहीं हैं। फिल्म में वे संयोगिता के रोल में होंगी। यह फिल्म अगले साल 21 जनवरी को रिलीज होगी। इससे पहले यह 5 नवंबर को दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली थी।

बालिका वधू की नन्ही गुड़िया याद है? सलमान ख़ान की फ़िल्म अंतिम- द फाइनल ट्रुथ से कर रहीं बॉलीवुड डेब्यू

सलमान खान और आयुष शर्मा की फिल्म अंतिम- द फाइनल ट्रुथ का ट्रेलर अगर आपने देख लिया है तो इसमें आयुष शर्मा के अपोजिट एक्ट्रेस का चेहरा जरूर जाना-पहचाना लगा होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस किरदार को निभाने वाली एक्ट्रेस महिमा मकवाना की भले ही यह पहली बॉलीवुड फिल्म है, मगर उनका अभिनय की दुनिया से लम्बा रिश्ता रहा है। महिमा को आपने कई विज्ञापनों और टीवी धारावाहिकों में देखा होगा, जिनमें बेहद लोकप्रिय रहा कलर्स टीवी का शो बालिका वधू भी शामिल है। 2009 में इस सीरियल में मकवाना ने गौरी सिंह किरदार का बचपन वाला भाग निभाया था, जिसे बाद में अंजुम फारुकी और देबलीना चटर्जी ने निभाया था। अंतिम महिमा की पहली बॉलीवुड फिल्म है, मगर पहली फिल्म नहीं है। 2017 में वो तेलुगु फिल्म वेंकटपुरम से सिनेमा की दुनिया में कदम रख चुकी थीं। इस साल आयी मोसागल्लू में भी महिमा ने एक किरदार निभाया था। इसके अलावा रंगबाज के दूसरे सीजन और फ्लेश वेब सीरीज़ में भी महिमा नजर आती रही हैं। टीवी की दुनिया में बाल कलाकार के तौर पर करियर शुरू करने वाली महिमा ने कलर्स टीवी के शो मोहे रंग दे से अभिनय शुरू किया था। इसके बाद मिले जब हम तुम, संवारे सबके सपने प्रीतो, आहट, सीआईडी, दिल की बातें दिल ही जानें, प्यार तूने क्या किया, रिश्तों का चक्रव्यूह, मरियम खान और शुभारम्भ जैसे शोज में महिमा ने सहायक और मुख्य भूमिकाएं निभायी थीं। हालांकि, उनका पहला बड़ा ब्रेक सपने सुहाने लड़कपन के था, जिसमें महिमा को लीड रोल निभाने का मौका पहली बार मिला। अपने शो शुभारम्भ का प्रमोशन करने महिमा अपने साथी कलाकार के साथ बिग बॉस 13 में भी गयी थीं, जहां उन्होंने होस्ट सलमान के साथ कुछ दिलचस्प लम्हे बिताये थे। महिमा सोशल मीडिया में भी काफी सक्रिय हैं और इंस्टाग्राम एकाउंट से जरिए लगातार अपने अपडेट देती रहती हैं। अंतिम 26 नवम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। महेश मांजरेकर निर्देशित फिल्म में महिमा ने छोटे कस्बे की लड़की मंदा का रोल निभाया है, जो गैंगस्टर राहुलिया की प्रेमिका होती है। फिल्म में सलमान सिख पुलिस अफसर और आयुष गैंगस्टर के किरदार में हैं।

सीमा पाहवा की ये मर्द बेचारा 19 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी

दिग्गज एक्ट्रेस सीमा पाहवा ने अपनी अपकमिंग फिल्म ये मर्द बेचारा की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 19 नवंबर को सिनेमाघरों में आने वाली है। यह एक फैमिली कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। मशहूर फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ये मर्द बेचारा की रिलीज को लेकर जानकारी शेयर की है। उन्होंने लिखा, ÷वीराज राव, मनुकृति पाहवा, सीमा पाहवा, बृजेंद्र काला, अतुल श्रीवास्तव और मानिक चौधरी अभिनीत एक फैमिली कॉमेडी ड्रामा ये मर्द बेचारा 19 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।÷ अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस के दिन यह फिल्म दर्शकों के बीच आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अनूप थापा ने किया है। मेकर्स ने इस फिल्म का फर्स्ट लुक भी साझा किया है, जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म के पोस्टर में सभी कलाकार मस्ती के मूड में दिख रहे हैं। टू इडियट फिल्म्स और शिवम अग्रवाल ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म का लेखन अनूप ने ही किया है। इस फिल्म का म्यूजिक भी उन्होंने ही कंपोज किया है। इस फिल्म की शूटिंग फरीदाबाद के सिकरी तथा अन्य जगहों में हुई है। इस फिल्म से सीमा की बेटी मनुकृति बॉलीवुड की फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने क्षेत्र भ्रमण कर सुनी आमजन की समस्यायें

ग्वालियर। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सुबह सुबह क्षेत्र का भ्रमण किया तथा जहां गंदगी पाई गई वहां स्वयं झाड़ू लगाया तथा नाली चौक होने पर निगम के संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर नाराजगी व्यकत करते हुए कहा कि क्षेत्र में कचरा न उठना, सीवर व नाली चौक की आये दिन समस्यायें आती हैं, इन समस्यांओं का निराकरण उसी दिन कर दिया जाए, तो आमजन में भी निगम की छवि अच्छी बनेगी। इसके साथ ही उन्होंने डेंगू के बडते प्रकोप को लेकर निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर गली में फोगिंग की जाए तथा सर्वे कर डेंगू के लार्वा का विनिष्टीकरण तुरंत किया जाए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड-16 के न्यू रेशम मिल क्षेत्र में निगम के अधिकारियों के साथ साफ-सफाई का जायजा लिया और स्वयं झाड़ू थाम कर झाड़ू लगाया और डेंगू की रोकथाम के लिए क्षेत्र की हर गली में दवा का स्वयं छिड़काव किया। इसके साथ ही न्यू रेशम मील में स्थित सार्वजनिक शौचालय, नाली व चेम्बरो की सफाई को लेकर निगम और पीएचई के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने वार्ड क्रमांक 16 की हर गली में घर-घर जाकर लोगों से पेयजल, विधुत व्यवस्था की सन्तुष्टि के बारे में आम जन से चर्चा की तथा भ्रमण के दौरान एक वुजुर्ग वृद्धा श्रीमती मुन्नीवाई के अस्वस्थ होने पर उनको अस्पताल भिजवाया एवं उनके इलाज के लिए त्वरित सहायता राशि दी। भ्रमण के दौरान मिलने वाली समस्याओं का निराकरण संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर त्वरित किया। उन्होंने कहा कि वह जनता के सेवक है जनता को किसी भी प्रकार की शासन की योजनाओं व मूलभूत सुविधाओं को मिलने में कोई परेशानी न हो । जनता से जुड़े कार्य मे लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

विहिप, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 80 युनिट हुतात्मा दिवस पर रक्तदान कर अयोध्या के बलिदानी कारसेवकों को श्रद्धांजलि दी

रक्त के अभाव में किसी की नही जाने देंगे जान - पप्पू वर्मा

ग्वालियर। विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल द्वारा 01 नवम्बर, 2021 सोमवार, को 11 बजे से 4 बजे तक हुतात्मा दिवस पर दो स्थानो पर सनातन धर्म मंदिर परिसर, बजरंग दल कार्यालय छत्री परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बजरंग दल के कार्यकर्ताओ ने 80 यूनिट जे.ए.एच. शासकीय हॉस्पीटल रक्तदान दिया, एवं 200 कार्यकर्ताओ ने रक्त परीक्षण कराकर रक्त देने का संकल्प लिया। जिसमें मुख्य रूप से विहिप के प्रांत मंत्री श्री पप्पू वर्मा, जे.ए.एच. हॉस्पीटल के डॉक्टर अनीता शर्मा, डॉक्टर यश, रवि शाक्य, अजय तिवारी, अशोक, %योति शर्मा आदि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही जे.ए.एच. हॉस्पीटल के डॉक्टरो द्वारा विहिप के प्रांत मंत्री पप्पू वर्मा को स्मृति चिन्ह एवं सर्टीफिकेट भेट की। विहिप के प्रांत मंत्री पप्पू वर्मा ने कहा कि रक्त के अभाव में किसी की भी जान नही जाने दी जायेगी। वहीं आपात स्थिति में कार्यकर्ता रक्तदान हेतु तत्पर रहेंगे। रक्तदान महादान के रूप में प्रेरणादाई भी होता है। मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं खोजा जा सका है। रक्तदान कर हम एक साथ कई जरूरतमंद तथा मरणासन्न व्यक्ति की जान बचा सकते है। रक्तदान करने में हमारे अन्दर किसी प्रकार का शारीरिक नुकसान नही होता है। एक स्वस्थ्य व्यक्ति हर तीन माहीने में रक्तदान कर करूणा, दानशीलता तथा मानव सेवा का आदर्शत्मक रूप प्रस्तुत कर सकता है।

बाल भवन में लगा मेगा क्रेडिट आउटरीच शिविर

विभिन्न योजनाओं के तहत 2,131 हितग्राहियों को 86.50 करोड़ का ऋण वितरित

ग्वालियर । भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के परिपालन में सोमवार को यहाँ बाल भवन में ÷मेगा क्रेडिट आउट रीच÷ शिविर लगाया गया। इस शिविर में प्रधानमंत्री पथ विक्रेता योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना व कृषि अधोसंरचना फंड सरकार की अन्य योजनाओं के तहत विभिन्न बैंकों द्वारा 2 हजार 131 हितग्राहियों को 86 करोड़ 50 लाख रूपए का ऋण वितरण किया गया। जिला अग्रणी बैंक अर्थात सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के संयोजन में यह शिविर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अमरीक सिंह ने की।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने कहा कि बैंक में खाता होने पर ही कोई भी व्यक्ति शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकता है। क्योंकि सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत अब योजना के तहत आर्थिक सहायता सीधे हितग्राही के खाते में पहुंचाई जाती है। इसलिए बैंकर्स भी जरूरतमंदों के खाता खोलने में आनाकानी न करें। उन्होंने बैंकर्स का आहवान किया कि वे शासकीय योजनाओं के तहत प्रकरणों को जल्द से जल्द स्वीकृत कर ऋण वितरण भी करें, जिससे लोग आत्मनिर्भर बन सकें।

नाबार्ड से वित्तीय सहायता प्राप्त महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाई गई सेनेट्री पेड का वितरण भी महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत इस कार्यक्रम में किया गया। शिविर के दौरान बाल भवन परिसर में विभिन्न बैंकों, नगर निगम, शासकीय विभाग, नाबार्ड व आरएसीटी द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। साथ ही शिविर मे आए हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना व अटल पेंशन योजना से ग्राहकों को जोड़ने, आधार व मोबाइल सीडिंग तथा विभिन्न योजनाओ की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा एनआरएलएम के तहत भी उपयोगी जानकारी दी गई।

शिविर में विभिन्न बैंकों के समन्वयक, संबंधित विभागों के अधिकारी, स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं महिलायें, आरएसीटी के प्रशिक्षणार्थी एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सांचालन श्री दिनेश कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह ग्वालियर में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया

ग्वालियर। मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस समारोह सम्पूर्ण प्रदेश की भाँति ग्वालियर जिले में भी उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। बाल भवन में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर थे। विशेष अतिथि के रूप में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर और जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव उपस्थित थीं। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेशवासियों के नाम संदेश का वाचन कर सीधा प्रसारण भी हुआ। बाल भवन में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इसके साथ ही कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए और एक जिला एक उत्पाद के तहत पाँच व्यवसाइयों को जमीन आवंटन के प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। कोविड-19 टीकाकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। स्थापना दिवस समारोह में संत श्री कृपाल सिंह, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति के उपाध्यक्ष श्री शांतिशरण गौतम, संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, शहरकाजी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस मौके पर माधव संगीत महाविद्यालय की छात्राओं ने मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया। राजा मानसिंह तोमर संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। इसके साथ ही डॉल जयेश कुमार ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सुश्री उर्वशी ने भी अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुति दी।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में शीतला सहाय चौराहे से नाकाचंद्रबदनी तक चलाया गया सफाई अभियान

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधायक डॉ.सतीश सिकरवार ने आज दीपावली महोत्सव के शुभ अवसर पर शीतल्ा सहाय चौराहे से होते हुये, रविशंकर होस्टल, यादव कॉलेनी, नाका चंद्रवदनी तिराहा, नहर वाली माता रोड़, झॉसी रोड पास्स बिहार, भैरो बाबा मंदिर रोड़ पर चलया सफाई अभियान। इस दौरान विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने दुकान व्यापारियों एव जनता से निवेदन करते हुये कहा कि अपनी अपनी दुकानों एवं घर के सामने कचरा जमा न होने दे और अपने आसपास सफाई का ध्यान रखें अपनी अपनी दुकानों के वाहर कचरा पात्र रखें एवं सारा कचरा, कचरा पात्र में ही डाले एवं ग्राहकों को भी कचरा कचरा पात्र में डाल्ने के लिये कहा। इस सफाई अभियान कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष राकेश गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि सुरेन्द्र यादव, मनीष अग्रवाल, अवधेश कौरव, भगवान सिंह जादोन, अनूप शिवहरे, विजय बहादुर त्यागी, टिंकू परिहार, राजेन्द्र राठी, अंकित कठ्ठल, प्रमोद जैन शरद यादव, हिमांशु किकन, अशोक प्रजापति, देवेन्द्र भदौरिया कक्का, आदि कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

डेंगू का लार्वा पाये जाने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम सीमांतर्गत निवासरत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं वृद्व, दिव्यांग, कल्याणी (विधवा) पेंशन योजना के ऐसे हितग्राही जिन्हें 600 रुपए प्रतिमाह पेंशन प्राप्त हो रही है। इन सभी हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। असहाय एवं वृद्व हितग्राहियों का सत्यापन निगम के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार नोडल अधिकारी पूर्वी अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि वृद्व, दिव्यांग, कल्याणी (विधवा) पेंशन योजना के हितग्राहियों के भौतिक सत्यापन किए जाने के लिए संबंधित हितग्राही अपना समग्र परिवार आईडी की छायाप्रति, पेंशन प्राप्त कर रहे बैंक खाते की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, यूडी आईडी कार्ड की छायाप्रति (दिव्यांग प्रमाण पत्र), मृत्यु प्रमाण पत्र (कल्याणी पेंशन धारक) अपने यह सभी दस्तावेज लेकर अपने निकटतम क्षेत्रीय कार्यालय में जाएं और अपना भौतिक सत्यापन कराएं।

स्कूली बच्चों ने ली प्रतिबंधित पटाखे न चलाने की शपथ

ग्वालियर। ग्वालियर जिले के स्कूली बच्चों ने हानिकारक पटाखे न चलाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है। जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों के बच्चों ने इस क?ी में सोमवार को हानिकारक और प्रतिबंधित पटाखे न चलाने की शपथ ली। साथ ही रैली निकालकर हानिकारक पटाखों से बचने का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया।

प्रदेश में 2 नवम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जायेगा

इस वर्ष की थीम है पोषण हेतु आयुर्वेद

ग्वालियर। केन्द्र सरकार के आयुष विभाग ने धनवंतरि जयंती को आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। निर्देशानुसार प्रदेश में भी 2 नवम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जायेगा। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम ÷पोषण हेतु आयुर्वेद÷ निर्धारित की गई है। आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रम में जिलों में आयुष फूड फेस्टीवल, संगोष्ठी और चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश की आँगनवा?ी कार्यकर्ताओं को पोषण आहार के संदर्भ में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में आयुक्त आयुष श्रीमती करलिन खोंगवार देशमुख ने पत्र लिखकर जिला आयुष अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। राज्य में आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रम महिला-बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से आयुष विभाग के साथ मिलकर आयोजित कर रहे हैं। केन्द्रीय आयुष विभाग ने 6वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का मुख्य समारोह 2 नवम्बर को राजस्थान के जयपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया है।

कार्यक्रम-ग्वालियर के मंदिरो मे दीपावली की अमावस्या को जैन समाज के भगवान महावीर 2548 वां निर्वाण लड्डू चढ़ायेंगे

मुनिश्री के सानिध्य में 04 नबंबर को पावापुरी जल मंदिर में निर्वाण लड्डू चढ़ायेंगे

दीपावली की अमावस्या को जैन मंदिरो में भगवान महावीर स्वामी को लड्डू चढ़ायेंगे

ग्वालियर। कार्तिक अमावस्या के मौके पर वात्सल्य सरोवर राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ में मंगल सानिध्य में अभूतपूर्व पावन वर्षायोग समिति एवं जैन मिलन ग्वालियर के तत्वावधान में 04 नबंबर गुरुवार को प्रातः 9-00 बजे नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाल में जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2548 वां निर्वाण पर मोक्ष स्थली पावापुर जल मंदिर की रचना की तैयारी कर भगवान का अभिषेक, पूजन कर निर्वाण लड्डू समर्पित किया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का पावापुर झारखंड में दीपावली पर निर्वाण हुआ था। इसी निमित्त निर्वाण लड्डू चड़ाने कि परंपरा सदियों से चली आ रही है। वही शहर के 85 जैन मंदिरों पर सुबह भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन लाडू चड़ाऐंगे।

ग्वालियर के इन जैन मंदिरो में चढेगा निर्वाण लडडू

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलम ने बताया कि 04 नबंबर को भगवान महावीर स्वामी के 2548 वां मोक्षकल्याण निर्वाण एवं भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को भी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति पर ग्वालियर सकल जैन समाज के श्रद्धालुओ की ओर से जैन सिद्धक्षेत्र गोपाचल पर्वत पर पंकल्याणक पूजा व निर्वाण पूजन के उपरात 9:00 बजे चढ़ेगा। स्वर्ण जैन मंदिर, बीसपंथी चम्पाबाग जैन मंदिर, जैसवाल जैन मंदिर दाना, मुनिसुव्रतनाथ शिंदेकी छावनी, तेरहपंथी शांतिनाथ जैन मदिर भाठ का बाजार, तेरहपंथी दिगंबर जैन मदिर दौलतगंज, उपग्वालियर लोहमंडी लाला गोकुलचंद जैसवाल जैन मदिंर, मुरार दिगंबर जैन पंचायती मदिर, दिगबर जैन मंदिर दीननाथ ठेकेदार की बागिची, सिकदर कम्पू शांतिनाथ जिनलाय, मामा का बाजार दिगबर जैन वरैया मदिर, दाना ओली दिगंबर जैन वरैया जैन, डी'डी नगर जैन मंदिर, पनिहार जैन मदिर, मुरार सीपी कालोनी जैन लाला मदिर, नया बाजार जैन मदिर, सहित 85 जैन मंदिरो में निर्वाण लड्डू चड़ाए जाएंगे।

लड़ी और अन्य प्रतिबंधित पटाखों को न तो बिकने दें और न चलने दें: कलेक्टर श्री सिंह

अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में दिए निर्देश

कहा ग्रीन केकर्स और अन्य गैर प्रतिबंधित पटाखे चलाने पर कोई रोक नहीं

ग्वालियर। पटाखों के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश का कड़ाई से पालन कराएँ। लड़ी (जुड़े हुए पटाखे) सहित अन्य प्रतिबंधित पटाखों को न तो बिकने दें और न ही चलाने दिए जाएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में अनुविभागीय दण्डाधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा जिस क्षेत्र में प्रतिबंधित पटाखे चलते पाए गए वहां के थाना प्रभारी भी इसके लिये जवाबदेह होंगे। श्री सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि दीपावली के दौरान ग्रीन क्रेकर्स पटाखों सहित अन्य गैर प्रतिबंधित पटाखे व फुलझड़ी इत्यादि चलाए जाने पर कोई रोक नहीं है।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि आतिशबाजी विक्रेताओं को साफतौर पर बता दें कि वे लड़ी सहित अन्य प्रतिबंधित पटाखों को जमा करा दें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आतिशबाजी की दुकानों से पटाखों के सेम्पल लेकर दीनदयालनगर स्थित मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रयोगशाला में जांच कराएं। उन्होंने जमा कराए गए प्रतिबंधित पटाखों को पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की निगरानी में नष्ट कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि थोक आतिशबाजी दुकानों को बस्तियों से दूर शिफ्ट करायें।

जिन पटाखों की तीव्रता विस्फोट स्थल से 4 मीटर की दूरी पर 125 डेसीमल से अधिक होगी, उन्हें चलाने पर प्रतिबंध है। इसी तरह जिन पटाखों के निर्माण में बेरियम साल्ट सहित अन्य हानिकारक विस्फोटक व रसायनों का उपयोग होता है उनके चलाने पर रोक है। घोषित शांति क्षेत्र मसलन अस्पताल व स्कूल इत्यादि के 100 मीटर के दायरे में पटाखे नहीं चलाए जा सकते। रात्रि 8 बजे से पहले तथा रात्रि 10 बजे के बाद पटाखे चलाने पर प्रतिबंध है। कलेक्टर ने इन सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को दिए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, अपर जिला दण्डाधिकारी श्री इच्छित गढ़पाले व श्री एच बी शर्मा सहित जिले के सभी एसडीएम व विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

घर-घर जाकर लगाए जाएँ कोरोना के टीके

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि विशेष रणनीति बनाकर कोरोना टीकाकरण अभियान को अंजाम दें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि पुख्ता प्लान के तहत घर-घर जाकर लोगों को कोरोना के टीके लगाए जाएं। साथ ही फोन के जरिए लोगो को बुलाकर स्थायी केन्द्रों पर भी टीकाकरण जारी रखें। उन्होंने द्वितीय डोज के टीकाकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जिले में तीन लाख से अधिक लोगों के द्वितीय डोज के टीके ड्यू हो गए हैं, इन सभी पर विशेष फोकस कर टीकाकरण का काम किया जाए।

कोरोना नियंत्रण व बचाव के सभी एहतियाती उपाय करने पर जोर

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि देश के कई राज्यों और प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोरोना संक्रमितो की संख्या बढ़ रही है। इस बात को ध्यान में रखकर ग्वालियर जिले में भी सभी एहतियाती उपाय करें। उन्होंने कहा सभी इंसीडेंट कमाण्डर अपनी टीमों को सक्रिय करें। साथ ही कोरोना गाइडलाइन का भी पालन कराएं। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था सहित सभी सरकारी अस्पतालों व नर्सिंग कॉलेजों में कोरोना के इलाज के लिये पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478